हिन्दी दैनिक समाचार

दूथ पथ

धनबाद, मंगलवार
03 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 153
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail: truthpath941@gmail.com

छुट्टी की सूचना

होली के अवसर पर पाठकों एवं हॉकरो को हार्दिक बधाई। होली के अवसर पर **दूथ पथ** कार्यालय में तीन व चार मार्च को अवकाश रहेगा।अतः इसका अगला अंक छह मार्च को प्रकाशित होगा।

संपादक

पीएम मोदी-कार्नी वार्ता में हुए यूरेनियम सप्लाई सहित अनेक अहम समझौते

भारत-कनाडा संबंधों को नई दिशा, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी और व्यापार सहयोग को मिली गति

2030 तक 50 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली,(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के बीच सोमवार को नई दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों देशों ने नागरिक परमाणु ऊर्जा सहित कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि भारत और कनाडा के बीच दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति का महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और उन्नत परमाणु रिएक्टर तकनीक पर भी मिलकर काम करेंगे।इस अवसर पर कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि पिछले दशक में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद में पिछले वर्ष अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जो संबंधों के नवीनीकरण के साथ-साथ नए उत्साह और दूरदर्शिता का प्रतीक है।

बैठक में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया गया। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में वार्षिक व्यापार 21 अरब डॉलर से अधिक है और कनाडाई पेंशन फंड्स भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कनाडा भारत के लिए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरवाद को साझा चुनौती बताते हुए सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाने की घोषणा की। इसी क्रम में "इंडिया-कनाडा डिफेंस डायलॉग" स्थापित करने का निर्णय लिया गया। ऊर्जा क्षेत्र में हाइड्रोकार्बन, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण पर सहयोग बढ़ाया जाएगा। कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस और ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस में शामिल होने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम, सुपरकंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स जैसे क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत की जाएगी।

संयुक्त बयान में दोनों देशों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों के बीच नई साझेदारियों की घोषणा की। कनाडाई विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस खोलेंगे। साथ ही सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने और जनजातीय समुदायों के बीच आदान-प्रदान के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और कनाडा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवता की भलाई के साझा दृष्टिकोण से जुड़े हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह नई साझेदारी दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को अगले स्तर तक ले जाएगी।

मुख्यमंत्री से चतरा नगर परिषद के अध्यक्ष और देवघर नगर निगम के महापौर ने की मुलाकात

रांची, 02 मार्च। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विभिन्न नगर निकायों के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की।

सबसे पहले चतरा नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ बाबू खान तथा सरायकेला नगर परिषद के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों को जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इसके बाद देवघर नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर रवि राउत तथा चाईबासा नगर परिषद के अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने भी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने उन्हें भी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस दौरान मंत्री हाफिजूल हसन भी उपस्थित थे। मुलाकात के दौरान राज्य में शहरी विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

ब्रीफ न्यूज

फिर गरमाया गोरखालैंड का मुद्दा, नितिन नवीन से मिले गोरखा नेता

दार्जिलिंग, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले गोरखालैंड का मुद्दा फिर सियासी चर्चा में है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय स्तर के नेता नितिन नवीन के साथ हुई बैठक में गोरखा समुदाय के प्रतिनिधियों ने अपनी पुरानी मांगों को सामने रखा।

गोरखा नेताओं ने साफ कहा कि यदि गोरखालैंड का गठन संभव नहीं है, तो उत्तर बंगाल को केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह बैठक बंगाल भाजपा की "परिवर्तन यात्रा" के सिलसिले में सिलीगुड़ी में हुई, जहां गोरखा समुदाय के प्रतिनिधियों ने नितिन नवीन का पारंपरिक गोरखा टोपी पहनाकर स्वागत किया।बैठक में गोरखा समुदाय ने पहाड़ क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि वर्ष 2007 के आंदोलन के बाद गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) का गठन हुआ, लेकिन समाधान नहीं हो सका। गोरखालैंड की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत गोरखा समुदाय का कहना है कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है।

भारत की ताकत उसकी युवा आबादी : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि वर्ष 2047 तक, जब देश आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है।

उनका कहना था कि भारत की ताकत उसकी युवा आबादी है। बड़ी संख्या में युवा पढ़ रहे हैं, नए विचार ला रहे हैं और नई तकनीक पर काम कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में आयोजित स्टडी इन इंडिया एजु-डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव 2026 में बोल रहे थे। यहां उन्होंने 50 से अधिक देशों के राजनयिकों को संबोधित किया। यहां बताया गया कि सरकार चाहती है कि दुनिया के बड़े विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलें। इसके लिए नियम बनाए गए हैं ताकि प्रक्रिया साफ और समय पर पूरी हो। गौरतलब है कि अगर विदेशी संस्थान भारत आएंगे तो भारतीय छात्रों को बाहर जाए बिना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की पढ़ाई करने के अवसर मिल सकेंगे। नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में यह बड़ा शिक्षा सम्मेलन हुआ। इसमें 50 से ज्यादा देशों के राजदूत, उच्चायुक्त और अलग-अलग देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने खुलकर भारत की शिक्षा व्यवस्था और उसके भविष्य के बारे में बात की।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के एमडी देंगे 19 मार्च को इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी) : टाटा ग्रुप की किफायती एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। एयरलाइन के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक सिंह 19 मार्च को अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ देंगे। उन्होंने सोमवार को स्टाफ को भेजे एक संदेश में अपने इस्तीफे की घोषणा की। आलोक सिंह के नेतृत्व में ही एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरएशिया इंडिया के खुद में मर्जर की प्रोसेस को पूरा किया था। उनके जाने के साथ ही टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन में टॉप लेवल पर लीडरशिप चेंज भी देखने को मिलेगा।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने 17 जनकल्याणकारी योजनाओं का किया शिलान्यास

जामताड़ा, (एजेंसी) : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को नारायणपुर प्रखंड परिसर में जिला योजना असंबंधित (अनटाइड) निधि के तहत 17 जनकल्याणकारी योजनाओं का एक साथ ऑनलाइन शिलान्यास किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अंसारी ने कहा कि जामताड़ा जिले को पहले अनटाइड फंड के तहत दो करोड़ रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 12 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस राशि को 24 करोड़ रुपये तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जिले में विकास कार्यों को और गति मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने नारायणपुर में हाई-टेक अस्पताल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने की योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को अनुमंडल का दर्जा दिलाने की दिशा में भी प्रयास जारी है, जिससे प्रशासनिक सुविधा और विकास को मजबूती मिलेगी।

डॉ. अंसारी ने बताया कि बजट सत्र के कारण अलग-अलग गांवों में जाकर योजनाओं का शिलान्यास करना संभव नहीं था। विकास कार्यों में विलंब न हो, इसलिए सामूहिक रूप से ऑनलाइन आधारशिला रखी गई। उन्होंने आश्वस्त किया कि सत्र समाप्त होने के बाद क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

इन 17 योजनाओं में सड़क निर्माण, भवन निर्माण, सामुदायिक आधारभूत संरचना तथा अन्य विकास कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दीपिका बेसरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी विकास कार्यों को गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की परिवर्तन यात्रा में वरिष्ठ नेताओं ने विकास, सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा का शुभारंभ बड़े उत्साह के साथ हुआ, जिसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में भारी जनभागीदारी देखने को मिली। वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने जनसभाओं को संबोधित करते हुए विकास, सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन पर पार्टी के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से पेश किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मालदा के इस्लामपुर विधानसभा क्षेत्र के इस्लामपुर कोर्ट मैदान में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद इस्लामपुर "ईश्वरपुर" में परिवर्तित होगा, जो सांस्कृतिक गौरव और विकास का प्रतीक बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान राज्य सरकार महिलाओं को घरों तक सीमित रखना चाहती है, जबकि बंगाल की महिलाएं राष्ट्र का नेतृत्व करने की क्षमता रखती हैं। नवीन ने तुष्टिकरण की राजनीति और अवैध घुसपैठ को बंगाल की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना के लिए खतरा बताया।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हावड़ा-हुगली के आमता विधानसभा क्षेत्र स्थित जॉयपुर अमरागोरी एथलेटिक क्लब मैदान में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य ऐसा बंगाल बनाना है जहां नागरिक भयमुक्त और शांतिपूर्ण जीवन जी सकें। उन्होंने औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, सड़क और पुल निर्माण, तथा रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। साथ ही भ्रष्टाचार प्रभावित जनकल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उत्तर 24 परगना के संदेशखाली विधानसभा क्षेत्र में सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के बिना विकास संभव नहीं है। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति और राजनीतिक हिंसा के कारण महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में बताया। चौहान ने सुंदरबन क्षेत्र को प्रमुख पर्यटन केंद्र बनाने, अवैध घुसपैठ पर कड़ी कार्रवाई करने, और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करने का ऐलान किया।

देश में होली का लेकर जबदस्त उत्साह हैं, बरसाना में लट्ठमार और लड्डू होली, वाराणसी में मसान

नई दिल्ली (एजेंसी) : रंगों का त्यौहार होली 4 मार्च को है, इस लेकर देशभर में रंगों, मिष्ठान, नए कपड़ों और उल्लास के साथ होली की तैयारी जारी है। खुशियों से भरा त्यौहार होली सिर्फ रंग खेलने का मौका नहीं बल्कि बसंत के आगमन, बुराई पर अच्छाई की जीत और प्रेम-भाईचारे का प्रतीक है। होली पूरे देश में अलग-अलग नाम और अनोखे अंदाज के साथ मनाई जाती है। यूपी के ब्रज क्षेत्र में होली सबसे पारंपरिक और जीवंत रूप में मनाई जाती है। यहां होली का उत्सव फगुआ दूज से शुरू होकर कई दिनों तक चलता है। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली बहुत प्रसिद्ध है। लोककथा के अनुसार, श्रीकृष्ण राधाजी के गांव बरसाना होली खेलने आए थे। आज भी महिलाएं हंसी-मजाक में पुरुषों पर लाठियां चलाती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं।

वहीं, वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली खेली जाती है। भक्त फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं। वहीं बरसाना के श्रीजी मंदिर में लड्डू होली की परंपरा है, जहां रंग लगाने से पहले लड्डुओं की वर्षा होती है। ब्रज में होली 40 दिनों तक कई रूपों में मनाई जाती है।

कृष्णनगरी के बाद शिवनगरी काशी में मसान होली की परंपरा है। वाराणसी में होली को मसान होली के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ अपने भक्तों और गणों के साथ मसान में भस्म से होली खेलते हैं। हरियाणा में होली को धुलंडी कहते हैं। यहां ननद-भाभी की चुटीली नोकझोंक और पारिवारिक हंसी-मजाक मुख्य आकर्षण होता है। वहीं महाराष्ट्र में होली रंग पंचमी तक चलती है। मुख्य होली के पांचवें दिन रंग खेलने की खास परंपरा है। वहीं, गोवा में शिग्मो के नाम से मनाई जाती है, जिसमें भव्य झांकियां, जुलूस और लोकनृत्य होते हैं। राज्य के लोग एक-दूसरे को बधाई देते हुए पकवान खाते हैं। वहीं, गुजरात में पहले होलिका दहन और अगले दिन धुलेटी मनाई जाती है।केरल के कोंकणी समुदाय में होली को मंजल कुली या उकुली कहते हैं, जहां रंगों की जगह हल्दी वाला पानी इस्तेमाल होता है। अन्य राज्यों में भी अलग-अलग नामों और खास अंदाज में जश्न मनाने की परंपरा रही है। ओडिशा में डोला पूर्णिमा, बिहार-झारखंड में फगुआ या फगुवा, असम में फाकुवा या दौल और मणिपुर में याओसांग के रूप में मनाया जाता है, जो छह दिनों तक चलता है।पंजाब में सिख समुदाय का होला मोहल्ला होली के आसपास होता है। इसमें गतका, तलवारबाजी और घुड़सवारी जैसे शौर्य प्रदर्शन होते हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं में बैठकी होली और खड़ी होली होती है।

दावाः तालिबान ने रालवपिंडी में नूर खान मिलिट्री बेस समेत कई ठिकानों पर किए धमाके

काबुल,(एजेंसी) : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमाई तनाव अब एक गंभीर सैन्य टकराव में बदल गया है। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर सफल हवाई हमले किए हैं। तालिबान के अनुसार, यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना द्वारा अफगान क्षेत्र में किए गए हालिया हवाई हमलों का करारा जवाब है।रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के भीतर गहराई तक जाकर रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस, क्वेटा में मौजूद 12वीं कोर के मुख्यालय, खैबर पख्तूनख्वा के मोहम्मद एजेंसी इलाके और घलानी सैन्य अड्डों को अपना निशाना बनाया। तालिबान का दावा है कि इन ठिकानों पर सटीक और समन्वित हमले किए गए हैं, जिससे पाकिस्तानी सैन्य बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचा है। यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों के बाद हुई है, जिसमें पाकिस्तानी जेट विमानों ने बीती रात काबुल और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बगराम एयरबेस सहित अफगानिस्तान के कई इलाकों में बमबारी की थी। काबुल में स्थानीय नागरिकों ने जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद तालिबान बलों ने एंटी-एयरक्राफ्ट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के जरिए जवाबी फायरिंग की। तालिबान सरकार का कहना है कि रविवार सुबह पाकिस्तानी जेट विमानों ने दोबारा अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और बगराम एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे विफल कर दिया गया। गौरतलब है कि बगराम वही पूर्व अमेरिकी सैन्य अड्डा है, जो रणनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है।

दोनों देशों के बीच यह सैन्य टकराव अब लगातार चौथे दिन में प्रवेश कर चुका है। तालिबान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान की ओर से उनके हवाई क्षेत्र का दोबारा उल्लंघन किया गया या किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई की गई, तो उसका और भी कड़ा जवाब दिया जाएगा। फिलहाल, तालिबान के इन दावों पर पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक सैन्य प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन इस घटनाक्रम ने पूरे क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित है, क्योंकि दो पड़ोसी देशों के बीच इस तरह का सीधा हवाई संघर्ष क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

रैन हॉस्पिटल ने मरीज को बनाया बंधक, मरीज की पत्नी की शिकायत पर पहुंचे अधिकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला में सोमवार को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया सनसनीखेज मामला सामने आया है।मामला एक गरीब पत्नी और जशपुर रोड में पुराने एलआइसी बिल्डिंग में संचालित रैन हॉस्पिटल (प्राइवेट) की है।गरीब पत्नी लक्ष्मी कुमारी गुमला प्रखंड के तिर्रा गांव की रहने वाली है। इनके पति सोमा उरांव को दो दिन पहले इलाज के लिए रैन हॉस्पिटल में भरती कराया गया है। लेकिन हॉस्पिटल के खर्च और आवश्यक इलाज में कमी को देखते हुए लक्ष्मी अपने पति को घर ले जाना चाह रही थी।लक्ष्मी ने कहा कि जब वह अपने पति को घर ले जाना चाह रही थी तो हॉस्पिटल द्वारा 1.15 लाख रुपये मांग किया जाने लगा।जिसके बाद लक्ष्मी ने अपनी गरीबी का हवाला दिया और पैसे देने से इंकार किया। जिस पर हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा लक्ष्मी से कहा गया कि जब तक वह पैसे नहीं देगी।तब तक वह अपने पति को अपने साथ नहीं जा सकेगी। लक्ष्मी ने इसकी शिकायत उपायुक्त गुमला से की।जिले के अन्य वरीय प्रशासनिक अधिकारियों को भी इस्की सूचना दी गयी। लक्ष्मी ने बताया कि गत दो दिसंबर 2025 को उसके पति सोमा रांची के रिंग रोड में दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये थे।उन्होंने बताया कि वे लोग मजदूरी कर जीवन-यापन चलाते हैं। दो दिसंबर को सोमा मजदूरी करने के लिए गाड़ी में शादी का सामान पहुंचाने गया था।उस गाड़ी में सोमा के साथ दो और लोग भी थे. दुर्घटना में सोमा के चेहरे में छड़ घुस गया था।उसके माथे पर भी चोट लगी थी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसी घटना में एक की मौत भी हो गयी थी और एक आंशिक रूप से घायल हो गया था।लक्ष्मी ने बताया कि घायल सोमा को इलाज के लिए रांची रिम्स में भरती कराया गया। इसके बाद वह अपने पति सोमा को इलाज के लिए तेज हॉस्पिटल में भरती करायी।जहां करीब 40 हजार रुपए खर्च हो गया।वहां इलाज समझ नहीं आने पर वह अपने पति को गुरूनानक हॉस्पिटल में इलाज कराने ले गयी। जहां करीब 1.13 लाख रुपए खर्च की।इसके बाद सोमा के एक दोस्त अमर बारला सोमा को इलाज के लिए जबरन गत 28 फरवरी को गुमला में रैन हॉस्पिटल में लाकर भरती करा दिया। लक्ष्मी ने बताया कि वह गत एक फरवरी को हॉस्पिटल पहुंची। जहां उसने अपने पति को सिर्फ पानी चढ़ता हुआ पाया। लक्ष्मी ने बताया कि वह पहले ही रांची के प्राईवेट हॉस्पिटलों में काफी खर्च कर चुकी है। लक्ष्मी ने बताया कि जब वह अपने पति को घर लाने की बात हॉस्पिटल में कही तो हॉस्पिटल द्वारा 1.25 लाख रुपये मांगा जाने लगा।हॉस्पिटल में बताया गया कि सोमा के इलाज में 1.25 लाख रुपए लगा है। पैसे देने के बाद ही वह अपने पति को घर ले सकेगी। लक्ष्मी ने बताया कि पैसे नहीं देने पर उसके पति को हॉस्पिटल में बंधक बनाकर रखा गया है। इस संबंध में हॉस्पिटल के मैनेजर आकाश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बंधक बनाने की बात से इंकार किया। कहा कि इलाज में हुए खर्च का पैसा देने के बाद लक्ष्मी अपने पति को घर ले सकती है।सूचना के बाद सबसे पहले हॉस्पिटल में गुमला थाना से एसआइ अमर पहुंचे।इसके कुछ देर में ही सिविल सर्जन डॉक्टर शंभुनाथ चौधरी व सदर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली हॉस्पिटल पहुंचे।जहां सिविल सर्जन मामले का जानकारी लेने लगे तो एक डॉक्टर द्वारा सिविल सर्जन व थाना प्रभारी से डिसिप्लीन की बातें करने लगा। जिसपर सिविल सर्जन ने डॉक्टर की जमकर क्लास ली।मौके पर सिविल सर्जन द्वारा हॉस्पिटल के मैनेजर आकाश कुमार से भी बात की।सिविल सर्जन द्वारा पूछे जाने पर मैनेजर ने बताया कि लक्ष्मी के पति के इलाज में करीब 1.15 लाख रुपए खर्च आया है।वहीं सिविल सर्जन द्वारा जब लक्ष्मी के पति सोमा उरांव का इलाज करने वाले डॉक्टर के बारे में पूछा गया तो मैनेजर द्वारा स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।सिविल सर्जन द्वारा मैनेजर को डॉक्टर का कंसेट लेटर दिखाने के लिए कहा गया तो मैनेजर द्वारा लेटर मोबाइल में दिखाने लगा।सिविल सर्जन जब कड़ाई से पूछा तो मैनेजर ने लेटर मंगाने के लिए सिविल सर्जन से दो घंटे का समय मांगा।इस बीच सिविल सर्जन द्वारा मैनेजर से हॉस्पिटल संबंधित कागजात दिखाने को कहा गया तो मैनेजर वह भी नहीं दिखा पाया।सिविल सर्जन ने कहा कि हॉस्पिटल ऑनलाइन में चल रहा है।जांच के क्रम में हॉस्पिटल की डॉक्टर नेहा ने सिविल सर्जन से मोबाइल फोन पर बात किया और संभवतः सिविल सर्जन को मामले के बारे में समझाने का प्रयास किया। जिसपर सिविल सर्जन भड़क उठे।उन्होंने डॉक्टर नेहा से कहा कि यह हॉस्पिटल ऑनलाइन चल रहा है। यहां एक ब्रेन के मरीज का इलाज आयुष डॉक्टर द्वारा किया जा रहा है।इस बीच संभवतः डॉक्टर नेहा द्वारा फिर से सिविल सर्जन को समझाने का प्रयास किया गया।जिसपर सिविल सर्जन ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे नियम के हिसाब से काम करेंगे।सिविल सर्जन ने डॉक्टर नेहा से मोबाइल पर बात करने से इंकार करते हुए कहा कि जो भी बात करनी है वह सामने आकर करें। वहीं सिविल सर्जन ने मैनेजर को जल्द से जल्द बिना पैसे लिये सोमा उरांव को डिस्चार्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही लक्ष्मी को अपना मोबाइल नंबर दिया और डिस्चार्ज के बाद मिलने के लिए कहा।सिविल सर्जन ने कहा कि सोमा को इलाज के लिए दिल्ली एम्स भेजा जायेगा।

विधानसभा सत्र व पर्व-त्योहारों पर विधि-व्यवस्था को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने दिए निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में बैठक की। बैठक में सौरभ कुमार भुवनिया (उपविकास आयुक्त), संजय भगत (परियोजना निदेशक, आईटीडीए), राजेश्वरनाथ आलोक (अपर जिला दण्डाधिकारी, विधि-व्यवस्था), कुमार रजत (अनुमण्डल पदाधिकारी, रांची सदर) सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिला प्रशासन की विभिन्न प्राथमिकताओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।बैठक में उपायुक्त ने नगरपालिका (आम) निर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को बधाई दी।मार्च क्लोजिंग के मद्देनजर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी विभागों को फर्जी निकासी पर विशेष सतर्कता बरतने तथा अंतिम समय में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।विधानसभा सत्र एवं आगामी पर्व-त्योहारों होली, ईद, सरहुल एवं रामनवमी के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। होली को लेकर थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित करने का निर्देश भी दिया गया।पर्व-त्योहारों के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु तय मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय परिसर में सीसीटीवी कैमरों के 24 घंटे संचालन की जानकारी ली। साथ ही समाहरणालय सभागार के जीर्णोद्धार कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।नगरपालिका (आम) निर्वाचन में चुने गए जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर भी उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही उपायुक्त द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के सौंदर्यीकरण हेतु टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का निर्देश दिया गया।रांची के प्रमुख जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।जिला में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा किसी भी प्रकार के फजीवाड़े पर सख्त रोक लगाने के निर्देश उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा दिए गए।अंचल एवं प्रखंड कार्यालयों में बीडीओ/सीओ सहित सभी कर्मियों को आईडी कार्ड उपलब्ध कराने की स्थिति की समीक्षा की गई। संबंधित पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कार्य पूर्ण कर लिया गया है।छात्रवृत्ति, धान अधिप्राप्ति, मंईया सम्मान से स्वावलंबन सहित अन्य योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक एवं उचित दिशा-निर्देश दिए।

स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक पहचान दिलाने का अभियान है लोकल फॉर वोकल : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : नगर के सेक्टर-4 स्थित मजदूर मैदान में आयोजित गांधी शिल्प बाजार रविवार को आकर्षण का केंद्र बना रहा। बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा ने मेले का भ्रमण कर विभिन्न स्टालों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान पूरे बाजार में उत्साह, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी भावना का अनूठा संगम देखने को मिला। उपायुक्त ने हस्तशिल्प और बुनकरों के कौशल को करीब से देखा और उनकी कला की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने गांधी शिल्प बाजार में सजे विभिन्न हैंडक्राफ्ट, हस्तकरघा और स्थानीय उत्पादों के स्टालों पर जाकर कारीगरों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं द्वारा निर्मित सामग्रियों का बारीकी से अवलोकन किया। श्री झा ने कहा कि लोकल फॉर वोकल केवल एक सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि यह हमारी स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक पहचान और उचित सम्मान दिलाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कारीगरों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके आर्थिक स्वावलंबन पर जोर दिया।अपने संबोधन में उपायुक्त श्री झा ने जिले के नागरिकों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि लोग अधिक से अधिक स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को अपनी जीवनशैली में अपनाएं। इससे न केवल क्षेत्र के गरीब और मेहनती कारीगरों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने रेखांकित किया कि ऐसे आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी के लिए संजोने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।गांधी शिल्प बाजार वर्तमान में केवल खरीदारी का केंद्र न रहकर स्थानीय कला, संस्कृति और उद्यमशीलता के उत्सव के रूप में उभर रहा है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से सपरिवार बाजार आने का आग्रह किया है, ताकि वे स्वदेशी वस्तुओं का समर्थन कर स्थानीय शिल्पकारों की आजीविका को सशक्त बना सकें।

रांची जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल: उपायुक्त ने खुद पहुंचकर दी सेवानिवृत्त शिक्षक को सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में एक भावुक एवं प्रेरणादायक पेंशन दरबार सह सेवा-निवृत्ति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य सेवानिवृत्त शिक्षकों के लंबे समय तक चले समर्पित योगदान को सम्मान देना और रिटायरमेंट की तिथि पर ही उन्हें सभी पेंशनरी लाभ उपलब्ध कराना था।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने एक बार फिर मानवीय संवेदना का जीता-जागता उदाहरण पेश किया। जब उन्हें पता चला की शिक्षक पैर की समस्या से जूझ रहे जिसपर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री शिवेश्वर महतो (स.शि., राजकीय उत्क्रमित म.वि., डड़िया, बुढ़मू) को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति लाभ देने के लिए वे स्वयं समाहरणालय सभागार से मुख्य द्वार तक पहुंचे। और व्यक्तिगत रूप से लाभ सौंपा और उनकी लंबी सेवा के लिए आभार जताया।मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा ह्शिक्षक समाज के स्तंभ हैं। जरूरत पड़ने पर प्रशासन उनके पास पहुंचे, यही सच्ची सेवा है।ह्यह छोटी-सी लेकिन हृदयस्पर्शी घटना राँची प्रशासन की जन-केंद्रित छवि को और मजबूत करती है।कार्यक्रम में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कुल 18 सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं सदर अनुमंडल एवं जिला राजस्व शाखा से सेवा निर्वित होने वाले 2 कर्मियों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया। उन्होंने शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर और प्रशस्ति पत्र भेंट करके उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उपायुक्त ने कहा, शिक्षक समाज के निर्माण की मूल नींव हैं। उनकी निष्ठा और समर्पण से ही नई पीढ़ियां मजबूत होती हैं। हमारा कर्तव्य है कि उनकी सेवानिवृत्ति को सम्मानजनक बनाया जाए।इस अवसर पर उपायुक्त ने विशेष रूप से जोर दिया कि सेवानिवृत्ति के ठीक उसी दिन पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट एवं अन्य सभी रिटायरमेंट लाभ प्रदान करना राँची जिला प्रशासन की कर्मचारी-हितैषी नीति का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा, यह पहल सुनिश्चित करती है कि हमारे शिक्षक किसी भी चिंता के बिना अपनी नई जीवन-यात्रा की शुरूआत कर सकें। पिछले जनवरी 2025 से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा हर माह इस तरह का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है।ि-शक्षकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा, जीवन की इस नई अध्याय में आप नई ऊर्जा से भरपूर रहें। समाज सेवा में सक्रिय रहें, नई रुचियां विकसित करें, परिवार के साथ समय बिताएं और स्वस्थ जीवन जिएं। ईश्वर आपको लंबी उम्र, अच्छा स्वास्थ्य और सदा सुख-समृद्धि प्रदान करे।उपायुक्त ने अन्य विभागाध्यक्षों से अपील की कि वे भी इसी तरह के आयोजन शुरू करें। उन्होंने कहा, यह मॉडल न केवल शिक्षकों के प्रति संवेदनशीलता दशार्ता है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए एक आदर्श है। हर विभाग को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मान और समयबद्ध लाभ वितरण सुनिश्चित करना चाहिए।कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज एवं उनकी पूरी टीम और जिला स्थापना उप समाहर्ता बिवेक कुमार सुमन को विशेष धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।जिला प्रशासन की यह पहल कर्मचारियों खासकर शिक्षकों के सम्मान, कल्याण और पारदर्शी लाभ वितरण की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो पूरे जिले में विश्वास और संतुष्टि की भावना को मजबूत कर रही है।

अग्रसेन पब्लिक स्कूल में बच्चों के बीच धूमधाम से होली मिलन समारोह आयोजित

गिरिडीहः अग्रसेन पब्लिक स्कूल में बच्चों के बीच होली मिलन समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और रंग-गुलाल लगाकर होली का आनंद उठाया समारोह के दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर में चारों ओर खुशी और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अनिल अग्रवाल ने बच्चों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डीएन प्रमाणिक ने भी सभी को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण होली मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकगण दिलीप सिन्हा, रूपांतर सिन्हा, स्मृति अग्रवाल, सुनीता कुमारी एवं रवि कुमार की सराहनीय भूमिका रही। शिक्षकों के सहयोग और बच्चों की भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त खबरें

स्थानीय उत्पाद आत्मनिर्भरता के हैं प्रतीक : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : होली के पावन अवसर पर स्वयं सहायता समूहों की पहल से पलाश ब्रांड के तहत प्राकृतिक सामग्रियों से तैयार हर्बल गुलाल और आकर्षक गिफ्ट हैम्पर तैयार किया गया है। यह पहल झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के माध्यम से उपायुक्त आर. रॉनिटा के मार्गदर्शन में की गई है। सोमवार को जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस के नेतृत्व में सखी मंडल की दीदियों ने उपायुक्त आर. रॉनिटा से मुलाकात कर उन्हें पलाश गिफ्ट हैम्पर भेंट किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा इन उत्पादों को अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।सखी मंडल की दीदियों ने प्रखंड स्तर पर भी विभिन्न पदाधिकारियों से मिलकर पलाश गिफ्ट हैम्पर भेंट किया। इस विशेष हैम्पर में पलाश ब्रांड के अंतर्गत निर्मित विभिन्न गुणवत्ता-युक्त उत्पादों को सुसज्जित रूप में शामिल किया गया है। यह हैम्पर स्थानीय महिलाओं की मेहनत, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जा रहा है।उल्लेखनीय है कि होली के लिए तैयार किए गए प्राकृतिक रंग फूलों एवं सब्जियों से निर्मित हैं, जो पूर्णतः सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल हैं। रासायनिक रंगों से होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए हर्बल गुलाल की यह पहल स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सीएम से मिले नप अध्यक्ष मनोज चौधरी, सरायकेला के विकास से कराया अवगत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद मनोज चौधरी राज्य के मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन एवं गांडेय विधायक माननीय कल्पना मुर्मू सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात किया।इस दौरान सरायकेला के विकास को लेकर चर्चा किया। इस अवसर पर नप अध्यक्ष चौधरी ने सीएम को सरायकेला की पहचान छऊ मुखौटा भेंट किया साथ ही सरायकेला लड्डू की भरी टोकरी व खाटू श्याम से लाये गए श्याम रंग का दुपट्टा ओढ़ाकर और मोर पंख भेंट कर सम्मानित किया।इस दौरान सरायकेला की समस्याओं से भी सीएम को अवगत कराया और सिविल कोर्ट सरायकेला को शिफ्ट कर सरायकेला को उजाड़ने 40% परिवारों के रोजी-रोटी पर मुसीबत डालने वाले आदेश को रद्द करने एवं चैत्र पर्व को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने के लिए आवंटन में बढ़ोतरी करने के संबंध में पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। मुख्यमंत्री द्वारा डबल इंजन की सरकार से सरायकेला के विकास के लिए हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया गया।शिष्टाचार भेंट में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डॉक्टर शुभेंदु महतो, केंद्रीय सदस्य गणेश चौधरी, सरायकेला विधानसभा के प्रत्याशी रहे गणेश महली, जिला उपाध्यक्ष भोला मोहती, नगर अध्यक्ष शंभू आचार्य, अमलेश सिन्हा, वरिष्ठ कलाकार ब्रजेंद्र पटनायक, तपन पटनायक, सुदीप कवि, सुमित महापात्र, उमेश भोल, सौरभ साहू, ललित चौधरी, शुभम चौधरी, अभिषेक चौधरी इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ओबीसी विद्यार्थियों की नहीं रूकेगी पढ़ाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह :झारखंड छात्र मोर्चा ने हेमंत सरकार को ओबीसी विद्यार्थियों के लिए 400 करोड़ छात्रवृत्ति देने के लिए धन्यवाद दिया है। झारखंड छात्र मोर्चा गिरिडीह के नेता अभय कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ओबीसी विद्यार्थियों की पढ़ाई रोक देना चाहती है। क्योंकि पीछले तीन सालों से ओबीसी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो जितना पिएगा वो उतना दहाड़ेगा। लेकिन भाजपा और केन्द्र सरकार चाहती है कि ओबीसी के विद्यार्थी नहीं पढ़े लिखे, उनकी पढ़ाई लिखाई बंद हो जाए । उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि केन्द्र सरकार यथाशीघ्र ओबीसी विद्यार्थियों को पूरा छात्रवृत्ति नहीं भुगतान किया तो ओबीसी के विद्यार्थी सड़क पर उतरने को बाध्य होंगे। झारखंड छात्र मोर्चा के बैनर तले होली के बाद जोरदार और उग्र आन्दोलन किया जाएगा। जिसका जिम्मेदार भाजपा और केन्द्र सरकार होगी। झारखंड छात्र मोर्चा झामुमो छात्र संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिला कल्याण पदाधिकारी से मुलाकात की जिसमें मुख्य रूप से बैठक में छात्र मोर्चा के अभय कुमार, बद्री यादव, विशाल झा, रौनक मिश्रा, आदित्य यादव, कुंदन सिंह, करण यादव और आशीष मिश्रा मौजूद थे । बैठक में यह बात सामने आई कि केंद्र सरकार द्वारा फंड उपलब्ध न कराने के कारण गिरिडीह के कुल 40,339 ओबीसी छात्र छात्रवृत्ति से वंचित हैं। प्रकाश मेहरा ने बताया कि वर्ष 2024-25 के लिए 41.15 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। छात्रवृत्ति के संबंध में सचिव को 02 दिसंबर 2025 को एक पत्र प्रेषित किया गया था।इस पत्र के माध्यम से छात्रवृत्ति से जुड़ी आवश्यक कार्यवाही हेतु सचिव का ध्यान आकर्षित किया गया है। छात्र नेता अभय कुमार ने बताया कि छात्रों की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए अब झारखंड सरकार ने राज्य कोष से सभी छात्रों को स्कॉलरशिप देने का निर्णय लिया है। ये छात्रों के लिए बहुत खुशी की बात है।

डुमरी में अवैध महुआ शराब के खिलाफ छापेमारी, 160 किलो जावा महुआ जब्त

गिरिडीह : होली पर्व को ध्यान में रखते हुए निमियाघाट थाना क्षेत्र के ग्राम केंदुआडीह में सोमवार को अवैध महुआ शराब के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया छापेमारी के दौरान बासुदेव साव के झोपड़ी एवं करकट के मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में प्लास्टिक के 08 छोटे डब्बों में रखा कुल लगभग 160 किलो जावा महुआ बरामद किया गया। बरामद सामग्री को विधिवत जब्त करने के बाद मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अतिरिक्त शराब बनाने में उपयोग की जा रही भट्ठी को भी ध्वस्त कर दिया गया, ताकि दोबारा अवैध उत्पादन न हो सके। पुलिस ने स्पष्ट किया कि होली के मद्देनजर क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

जिला परिषद बोर्ड बैठक में पेयजल मुद्दे पर जोर, कई विषयों पर चर्चा नहीं होने से सदस्यों में नाराजगी, हंगामा के दौरान बैठक हुई स्थगित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिला परिषद बोर्ड की बैठक सोमवार सुबह 10 बजे शुरू होकर दोपहर 1 बजे समाप्त हुई। बोर्ड की पिछली बैठक सितंबर माह में आयोजित की गई थी, जिसके बाद यह पहली बैठक थी। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों को एजेंडा में शामिल किया गया था, लेकिन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा नहीं हो सकी, जिससे कई जिला परिषद सदस्यों में नाराजगी देखी गई।

बैठक के दौरान गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था को लेकर विशेष चर्चा की गई। सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या, खराब चापाकलों और जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति पर सवाल उठाए। संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।हंगामे के बाद बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगली बोर्ड बैठक होली के बाद आयोजित की जाएगी, जिसमें लंबित विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।इस बार की बैठक की एक खास बात यह रही कि पहली बार मीडिया को बैठक से दूर रखा गया। इसे लेकर भी हल्की चर्चा रही। हालांकि प्रशासन की ओर से बैठक को सुव्यवस्थित और औपचारिक बताया गया। वही जिला परिषद के कई सदस्य ने भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया है। सांसद प्रतिनिधि ने भ्रष्टाचार के खिलाफ पत्राचार भी किया है।

बरमसिया रेलवे ओवरब्रिज के पास कचरे में लगी भीषण आग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद शहर के धनसार थाना क्षेत्र स्थित बरमसिया रेलवे ओवरब्रिज के बगल में कचरे के ढेर में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग से उठता काला धुआँ इतना भयावह था कि देखते ही देखते पूरा आसमान धुएँ से भर गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत धनसार थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।बताया जा रहा है कि जहां आग लगी, वह इलाका लंबे समय से असामाजिक तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा बना हुआ है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों में डर और नाराजगी दोनों देखी गई।स्थानीय मंटू चौहान ने कहा कि यह जगह आए दिन नशेड़ियों का अड्डा बन चुकी है। आशंका है कि नशे के दौरान किसी ने जलती माचिस की तिल्ली कचरे में फेंक दी, जिससे यह आग भड़क गई। गनीमत रही कि आसपास पेड़ होने की वजह से आग आगे नहीं फैल सकी, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। आग लगने की जगह के ठीक बगल में रेलवे लाइन और कुष्ठ आश्रम भी है। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

आईआईटी आईएसएम धनबाद में यूरोपियन देशों के साथ हेरिटेज नेटवर्क की जेनरल एसेंबली का उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : आईआईटी आईएसएम धनबाद में हेरिटेज नेटवर्क 2026 के तहत जेनरल असेंबली कार्यक्रम की शुरूआत की गई। समारोह में 11 यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। अगले तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान भारत और यूरोप के विभिन्न शिक्षण संस्थान आपस में साझा तकनीक और शिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। आईआईटी आईएसएम धनबाद की कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस विभाग की डीन प्रो रजनी सिंह ने बताया कि आईआईटी आईएसएम के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। हेरिटेज नेटवर्क कार्यक्रम का यह 10वाँ वर्ष है और उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के जरिए आईआईटी आईएसएम धनबाद के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा फलक मिल सकेगा।

तोपचांची के सिंघदाहा दास टोला में सड़क निर्माण को लेकर खूनी झड़प, छह घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघदाहा दास टोला में पीसीसी सड़क निर्माण को लेकर शुरू हुआ विवाद सोमवार को खूनी झड़प में बदल गया। घटना श्मशान घाट जाने वाले रास्ते की है, जहां विधायक फंड से सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि सुनील दास कहीं जा रहे थे, तभी बस्ती के ही अशोक दास, देवाशीष दास, धनकेश्वर दास समेत कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने लोहे की रॉड और चाकू से उन पर हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। शोरगुल सुनकर जब परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया गया। इस झड़प में गांव के मुखिया हरिचरण दास को चेहरे पर रॉड और चाकू से वार किया गया, जिससे वे बुरी तरह जख्मी हो गए। उनके पुत्र अनुज कुमार दास के गले में चाकू से वार किया गया। इसके अलावा दो महिलाओं समेत कुल छह लोग घायल हुए हैं।सभी घायलों को इलाज के लिए धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मुखिया की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रेफर किए जाने की तैयारी चल रही है।तोपचांची थाना प्रभारी अजय भारती ने बताया कि सड़क निर्माण को लेकर विवाद हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

होली पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम, जिले को सुरक्षा के लिए सात जोन में बांटा गया

3 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 मार्च की सुबह 6 बजे तक कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी

7 जोनल दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

0326 - 2311217, 2311107, 112 रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष का फोन नंबर

लगातार भ्रमणशील रहेगा पुलिस का चलंत दस्ता

बंद रहेंगी शराब की दुकानें व बार, मदिरा की बक्री प्रतिबंधित

सोशल मीडिया पर रहेगी मॉनिटरिंग सेल की कड़ी नजर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। होली को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस व दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं। जिला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। अन्य उपाय भी अपनाए गए हैं। इसके लिए डीसी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के हस्ताक्षर से संयुक्त जिला आदेश जारी किया गया है। संयुक्त आदेश में जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी जोन में बांटा है। सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। क्विक रिस्पॉन्स टीम भी मौजूद रहेगी। होली के अवसर पर 3 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 मार्च की सुबह 6 बजे तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार पुलिस पदाधिकारी के वरीय प्रभार में रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या 0326 - 2311217, 2311107, 112 रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष में आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं के साथ चिकित्सक की टीम तथा एम्बुलेंस मौजूद रहेगी। सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी संवेदनशील थाना क्षेत्रों जैसे धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धमाबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी के लिए पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। लगातार भ्रमणशील रहेगा पुलिस का चलंत दस्ता पुलिस का चलंत दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। वहीं अनुमंडल दंडाधिकारी, सभी डीएसपी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साइबर डीएसपी, साइबर थाना प्रभारी व्हाट्सएप ग्रुप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर बनाए रखेंगे। साथ-साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूरे अनुमंडल क्षेत्र में विधि व्यवस्था संधारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। होली के अवसर पर किसी भी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना के फलस्वरूप त्वरित इलाज के लिए केंद्रीय अस्पताल व एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक इमरजेंसी वार्ड में 24 घंटे चिकित्सकों की टीम की व्यवस्था रखेंगे। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे चिकित्सक, एएनएम व कर्मी मौजूद रहेंगे। होली के अवसर पर सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक, लोक शांति या विधि व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री पर पुलिस के सोशल मीडिया मोनिटरिंग सेल की विशेष निगरानी रहेगी। ऐसा करने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत एवं नियमानुकूल कार्रवाई की जाएगी। होली का अवसर पर जिले के सभी देशी विदेशी एवं मसालेदार शराब की दुकानें, बार, रेस्टोरेंट आदि पूरी तरह से बंद रहेंगे। इस अवधि में मदिरा की बिक्री पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। वहीं अवैध शराब की चुलाई, भंडारण एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त आदेश में होली मिलन समारोह, होलिका दहन, सतर्कता, पेयजल आपूर्ति, साफ सफाई, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर दिशा निर्देश दिए गए हैं।

वार्ड 26 के विकास रंजन सबसे आमिर व वार्ड 35 की सोनाली के पास है मात्र 15 सौ की संपत्ति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद नगर निकाय चुनाव की मतगणना के बाद अब सभी 55 वार्ड के पार्षद तय हो चुके हैं। नामांकन के समय उनके द्वारा दिये गये शपथ पत्र में पार्षदों ने अपनी संपत्ति व आपराधिक मामलों का भी ब्योरा दिया है।आंकड़ों के अनुसार इस बार परिषद में करोड़पति से लेकर हजारों रुपये की संपत्ति वाले प्रतिनिधि चुने गये हैं।वहीं अधिकांश पार्षदों पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है, लेकिन कुछ वार्डों में केस दर्ज होने की जानकारी भी सामने आयी है।वार्ड 26 के पार्षद विकास रंजन के पास सबसे अधिक 2.37 करोड़ रुपये की चल व अचल संपत्ति है। वे इस सूची में पहले स्थान पर हैं।वहीं दूसरे स्थान पर वार्ड दो के मोहम्मद शाहबुद्दीन हैं, जिनके पास 2.26 करोड़ रुपये की संपत्ति है। तीसरे स्थान पर वार्ड छह की कल्पना महतो हैं, जिनकी संपत्ति 2.15 करोड़ रुपये है।वहीं वार्ड 31 की मीनाक्षी सिंह के पास 1.83 करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं जहां चार पार्षदों ने अपने पास करोड़ों की संपत्ति बतायी है, वहीं अधिकांश वार्डों में पार्षदों की संपत्ति लाखों में है।वार्ड एक की मधुमाला (50.08 लाख), वार्ड 27 के स्वेताम राज (62.57 लाख), वार्ड 30 की निर्मला देवी (60.23 लाख), वार्ड 48 के मो अलीम अंसारी (71.56 लाख) और वार्ड 47 की तारा मुन्नी देवी (47.55 लाख) प्रमुख रूप से शामिल हैं।नयी निर्वाचित पार्षदों में ऐसे पार्षद भी हैं जिनकी घोषित संपत्ति हजारों रुपये में है। वार्ड 35 की सोनाली कुमारी ने मात्र 1500 रुपये की संपत्ति घोषित की है, जो सबसे कम है। वार्ड 49 की बबीता गोराईं के पास 11 हजार रुपये और वार्ड 17 के मो. इम्तियाज अंसारी के पास 20 हजार रुपये की संपत्ति दर्ज है। इसके अलावा वार्ड 29 की संजू देवी ने 70 हजार रुपये की संपत्ति घोषित की है।आपराधिक मामलों की बात करें तो वार्ड 39 के पार्षद चंदन कुमार महतो पर सबसे अधिक तीन मामले दर्ज हैं।वार्ड 28 के मनोरंजन कुमार पर दो केस दर्ज हैं।वार्ड 7 के अरुण कुमार चौहान, वार्ड 8 के रामेश्वर तुरी और वार्ड 11 के बद्री रविदास पर एक-एक मामला दर्ज है। हालांकि, अधिकांश पार्षदों ने अपने शपथ पत्र में किसी भी प्रकार का मामला दर्ज नहीं होने की जानकारी दी है।

होटल संचालक पर कर्मचारी के साथ मारपीट का आरोप, आक्रोशित भीड़ ने घेरा होटल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र स्थित रतनपुर में होटल संचालक की दबंगई का मामला प्रकाश में आया है आरोप है कि मामूली बात पर होटल मालिक ने अपने कर्मचारी की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। यहाँ स्थित खालसा होटल के संचालक पर आरोप लगा है कि उसने अपने एक मजदूर के साथ मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो विवाद बेहद मामूली था, लेकिन होटल संचालक ने आपा खो दिया और कर्मचारी को जमकर पीटा।घटना की खबर जैसे ही आसपास के इलाकों में फैली, स्थानीय पुरुषों और महिलाओं का हुजूम होटल के बाहर जमा हो गया। लोगों ने न सिर्फ होटल का काम बंद करवाया, बल्कि संचालक के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन भी किया।हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित भीड़ को शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने घायल कर्मचारी को इलाज के लिए भेज दिया है और दोनों पक्षों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी है।

कलवार वैश्य समाज ने गोविंदपुर में मनाया पारिवारिक होली मिलन समारोह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कलवार वैश्य जागृति मंच के तत्वावधान में आरएस रिजॉर्ट गोविंदपुर में पारिवारिक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, बच्चे शामिल हुए। सभी एक-दूसरे को गुलाल लगा कर होली की शुभकामनाएं दीं।

गीत-संगीत का रंगारंग कार्यक्रम किया गया। बच्चों नें मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। स्वादिष्ट व्यंजन के साथ होली मनायी गई। अध्यक्ष महेश चंद्र भगत ने कहा कि बसंत का उत्सव होली का त्योहार हमारे जीवन में उत्साह और ऊर्जा का संचार करता है और यह ऊर्जा हमें पूरे साल समाज हित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर कृष्ण मुरारी चौधरी, सतीश जायसवाल, संजय जायसवाल, सजन लाल जायसवाल, अमित कुमार शरण, राजेश जायसवाल, राजा जायसवाल, मनोज जायसवाल, अमृत राज जायसवाल, अजय भगत, शरद शाह, लोहित कुमार, डॉ नारायण भगत, डॉ रंजीत भगत, लक्ष्मीनारायण जायसवाल, विवेक कुमार, आनंद जायसवाल, विजय भगत, बबलू कुमार, कंचन शरण, मनोरमा जायसवाल, अंजना जायसवाल सहित अन्य ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

ट्रेन से गिर कर एक घायल

महुदा। महुदा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर सोमवार गिर कर घायल हो गया। गोमो खड़कपुर सवारी गाड़ी से उतरने के दौरान घटना हुई।

कपूरिया के रुदी बस्ती निवासी लाडू गोपी के पुत्र सोनू गोप फिसल कर गिर गया, गिरने के बाद वह ट्रेन की चपेट में आकर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। घटना में उसका दोनों पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों ने हो हल्ला करना शुरू किया। हल्ला सुनकर महुदा आरपीएफ एवं रेल कर्मियों की टीम वहां पहुंची तथा उसे ट्रैक से बाहर निकाला। एंबुलेंस से उसे इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वहां के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया। घटना के संबंध में सोनू के भाई ने बताया कि सोनू मुंबई में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। होली के अवसर पर वह छुट्टी लेकर अपने घर आ रहा था। मुंबई से वह एक ट्रेन से गोमो तक आया। गोमो से गोमो खड़गपुर सवारी गाड़ी से महुदा आ रहा था। महुदा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के दौरान हादसा हो गया। घटना में उसके दोनों पैर में गहरा जख्म हो गया है। अब उसे चिकित्सकों से ही उम्मीद है कि उसका पैर ठीक हो जाए।

धनबाद के मेयर संजीव सिंह को गले लगाएगी भाजपा, अब कोई कार्रवाई नहीं करेगी पार्टी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : बागी बन धनबाद नगर निगम से मेयर पद का चुनाव लड़ने वाले भाजपा के पूर्व विधायक संजीव सिंह के खिलाफ भाजपा अब कोई कार्रवाई नहीं करेगी, बल्कि गले लगाएगी। भाजपा के धनबाद विधायक राज सिन्हा का सिंह मेंशन पहुंच संजीव सिंह को बधाई देना और मुंह मीठा कराना इस बात का संकेत है।विधायक राज सिन्हा का सिंह मेंशन जना पार्टी के नरम रुख का संकेत है। संभव है पार्टी के निर्देश पर विधायक ने यह पहल की हो। वैसे विधायक राज सिन्हा ने बात करने पर कहा कि धनबाद का विधायक हूं और धनबाद नगर निगम क्षेत्र का मेयर चुने जाने पर संजीव सिंह को बधाई देने जाना शिष्टाचार है। धनबाद के विकास के लिए मिलकर काम करना है।निगम चुनाव में संजीव सिंह का बागी प्रत्याशी होने पर विधायक पत्नी रागिनी सिंह जो पूरे चुनावी परिदृश्य से गायब दिख रही थी, अब सामने आ गई है। विधायक राज सिन्हा के सिंह मेंशन पहुंचने पर संजीव सिंह और रागिनी सिंह दोनों साथ दिखी। मालूम हो कि संजीव भाजपा समर्थित प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने पर संजीव सिंह को पार्टी की ओर से नोटिस जारी किया गया था। अब चुनाव जीतने के बाद संजीव सिंह के समर्थक सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में उन्हें भाजपाई, भगवाधारी आदि लिख रहे हैं।

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

धनबाद, मंगलवार 03 मार्च 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर पुलिस ने एक को किया गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : नाबालिक बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म करने के एक मामले में पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में करंजिया गांव निवासी एक महिला ने रविवार को एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें बताया गया था कि पांडे नाग नामक व्यक्ति, जो ओझा गुनी का काम करता है, को अपने बेटे को दिखाने के लिए बुलाया गया था। उस व्यक्ति ने मौका पाकर उसकी नाबालिग बच्ची को भय दिखाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 और पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी बलात्कार का मामला थाने में दर्ज है।

गिरिडीह में दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरीडीह : गिरिडीह जिले के गांडेय थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरिडीह के एस पी डॉ विमल कुमार ने बताया कि देश के बड़े अस्पतालों के चिकित्सकों का अपॉइंटमेंट लेने के लिए गूगल एड पर फर्जी एड देना और फर्जी फाइल भेजकर पेमेंट लेना इन अपराधियों का काम था। गिरफ्तार अपराधी का नाम शाहिद अफरीदी और शमशाद अंसारी है।ये लोग तेलखारी जंगल में बैठकर अपराध कर रहे थे। इनके पास से 4 मोबाइल और 8 सीम कार्ड बरामद हुआ है।

लोहरदगा का सुखराम उरांव चतरा में लापता, परिजन परेशान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : लोहरदगा जिला के सेनहा थाना क्षेत्र के मेंतगड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय सुखराम उरांव चार दिनों से लापता है। वह और उसके परिजन रश्मि नामक यात्री बस से बनारस से गुमला जा रहे थे।इस दौरान 27 फरवरी की सुबह करीब पांच बजे चतरा में बस रुकी थी, इस बीच सुखराम बस से उतर गया लेकिन नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद बस से परिजन घर चले गए।इसके बाद परिजन 28 फरवरी को पुनः चतरा पहुंच कर खोजबीन की।साथ ही इसकी जानकारी सदर थाना को दी।बताया गया कि सुखराम मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर है।सुखराम के लापता होने से परिजन काफी परेशान हैं। लगातार खोजबीन कर रहे है।सुखराम के भाई बसंत उरांव ने चतरा पुलिस से भाई की खोजबीन में सहयोग करने की मांग की।

हजारीबाग में कुएं से मिले शव मामले का खुलासा, हत्या का आरोपी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के बड़ाबाजार ओपी क्षेत्र अंतर्गत हुरहुरू मोहल्ला में कुएं से मिले शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार की है।पुलिस के अनुसार 24 फरवरी 2026 की सुबह पासवान मोहल्ला स्थित एक कुएं से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था, जिसकी पहचान सिकेन्द्र कुमार उर्फ ललू गोप के रूप में हुई। मृतक के परिजन की लिखित शिकायत के आधार पर बड़ाबाजार थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अमित आनन्द, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर) के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच के क्रम में पुलिस ने प्रताप कुमार दास उर्फ छोटू नामक युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना से एक दिन पूर्व उसका मृतक के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उसने अपराध को अंजाम दिया और बाद में शव को छिपाने का प्रयास किया।पुलिस ने घटना से संबंधित सामग्री भी बरामद की है और आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

गोतिया के श्राद्ध भोज में खाने गये बुजुर्ग की तेज धारदार हथियार से हत्या

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के थाना क्षेत्र के अरका पंचायत के काजी पकरी निवासी 70 वर्षीय राजदेव महतो की हत्या कर दी गयी। उसका शव दो दिन बाद सोमवार को तरहसी थाना क्षेत्र के सेवती डाक बंगला के समीप पदमा जाने वाली सड़क से सटे कुसुमटाड़ जंगल में बरामद किया गया।राजदेव के चेहरे पर तेज धारदार हथियार से वार करने के निशान मिले हैं। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया है।इस संबंध में पत्नी दुलारी देवी के बयान पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है।थाना प्रभारी आनंद राम ने बताया कि मामले की छानबीन शुरू कर दी गयी है। मृतक की पत्नी दुलारी देवी के अनुसार 27 फरवरी की रात में गांव में गोतिया के यहां श्राद्ध का भोज खाने के लिए पति-पत्नी दोनों गये थे।राजदेव ने शराब पी रखी थी।रात को पत्नी घर आ गयी।उसे लगा कि कुछ देर बाद राजदेव भी लौट जायेंगे, लेकिन नहीं लौटे।उनकी खोजबीन शुरू की गयी लेकिन कहीं कोई अता-पता नहीं चल सका।सोमवार को इस संबंध में थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी थी.इसी बीच सुबह में घर से कुछ दूर आगे कुसुमटाड़ जंगल में दुर्गंध आने पर लोगों ने देखा कि एक शव पड़ा है।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।राजदेव के परिजनों ने शव की पहचान की।

निकाय चुनाव खत्म,हट गई आदर्श आचार संहिता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : नगरपालिका (आम) निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही सोमवार से आदर्श आचार संहिता समाप्त हो गयी है।जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार नगरपालिका चुनाव की घोषणा के साथ ही 27 जनवरी 2026 से राज्य की सभी 48 नगरपालिकाओं में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई थी।उन्होंने बताया कि पंचायत और कैन्टोनमेंट क्षेत्र को छोड़कर जिन नगरपालिकाओं में आम चुनाव कराया गया था, वहां चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आचार संहिता प्रभावी रही।

घायल यात्रियों से अस्पताल में मिले पूर्व मंत्री और चतरा सांसद,रायगढ़ से गया जा रही बस पलटी, छह गंभीर रूप से घायल, एक रेफर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतराझडोभी मुख्य मार्ग स्थित वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के मुरैनवा टोल प्लाजा के समीप बदन नामक यात्री बस पलट गई। जिससे बस में सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों में बिहार जहानाबाद के राकेश कुमार (पिता रामाकांत शर्मा), गया जिला वजीरगंज के अड़मा निवासी रंधीर कुमार (पिता स्व कृष्णदेव सिंह), गया जिला डुमरिया के गोशाला निवासी सुशील कुमार (पिता अंबिका भुईयां), चतरा जिले के प्रतापपुर के एघारा पंचायत जुड़ी निवासी अमृत कुमार (पिता चरितर भारती), बगरा निवासी सुजीत कुमार (पिता ब्रह्मदेव महतो) व कमलेश कुमार शामिल हैं. सभी घायलों को एंबुलेंस से सदर अस्पताल चतरा लाया गया. जहां सुजीत की स्थिति गंभीर देख तुरंत हजारीबाग रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बस छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से बिहार के गया जा रही थी।इस दौरान मुरैनवा टोल प्लाजा के कुछ दूर पीछे बस का अगला टायर ब्लास्ट कर गया।जिससे बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटने के बाद राहगीरों ने इसकी जानकारी चतरा सदर, वशिष्ठ नगर जोरी पुलिस व एंबुलेंस को दी गई।सूचना पाकर वशिष्ट नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह दल बल के साथ वहां पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गया है।राहगीरों के सहयोग से घायलों को कई एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल भेजा गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे।बस के छत पर कई यात्री बैठे हुए थे।इस तरह यात्री बस लोगो के जीवन के साथ खिलवाड़ कर क्षमता से अधिक यात्री को लेकर चलते है, लेकिन परिवहन विभाग का इस ओर ध्यान नहीं है।बस पलटने के बाद यात्रियों में अफरा तफरी का माहौल बन गया। सभी यात्री अपने-अपने साथी ढूंढते नजर आए। वही काफी संख्या में राहगीर भी वहां रुक कर बस से सभी को निकाला।घटना में किसी की मौत नहीं देख लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि घायल छह लोगों को सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां पांच का इलाज चल रहा है।वही स्थिति गंभीर वाले सुजीत को बेहतर ईलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया।यात्रा के दौरान दो यात्री को बगरा में उतरना था, लेकिन नींद आने के कारण वह निर्धारित स्थान पर नहीं उतर सके। आगे चलकर वाहन पलट गई। जिसमें दोनों घायल हो गए। एक सुजीत कुमार की स्थिति गंभीर बनी हुई। हजारीबाग अस्पताल भेजा गया है।बस पलटने की सूचना पाकर सांसद कालीचरण सिंह व पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता सदर अस्पताल पहुंचे और घायल मरीजों को देखा। दुघर्टना की जानकारी ली।इस दौरान चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर इलाज करने की बात कही।

हुमीद टीओपी के बाहर जप्त वाहनों में लगी आग, शॉर्ट सर्किट बना कारण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल थाना क्षेत्र के हुमीद स्थित टीओपी के बाहर खड़े जप्त वाहनों में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे अचानक आग लग गई। आग लगने से एक कार, एक बोलेरो पिकअप तथा कुछ अन्य जप्त व पहले से क्षतिग्रस्त वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गए।घटना की सूचना मिलते ही चांडिल पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी।सूचना पर दमकल वाहन पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पास स्थित ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी नीचे गिरे सूखे पत्तों पर जा गिरी।सूखे पत्तों ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।आग की लपटें पास में खड़े जप्त वाहनों तक पहुंच गईं, जिससे वे जल गए। वही घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवक ने कुएं में फांसी लगाकर की आत्महत्या, सुसाइड नोट बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पाकुड़ : हिरणपुर थाना क्षेत्र के हाथकाठी गांव में बीते सोमवार अहले सुबह एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है।मृतक की पहचान शुभंकर दास उर्फ बुबाई (28) के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक ने रस्सी के सहारे कुएं में फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए सोनाजोड़ी सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि युवक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने अपनी जिंदगी से परेशान होने की बात लिखी है।नोट में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस कदम के लिए किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए।स्थानीय लोगों के अनुसार, शुभंकर दास ने कुछ वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। हालांकि, शादी के कुछ समय बाद पति-पत्नी के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसके कारण दोनों में अलग हो गया था। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा सुसाइड नोट समेत अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

बच्चा चोरी से जुड़ी अफवाह की घटना के खिलाफ जागरूकता रथ रवाना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा जिला प्रशासन के द्वारा बच्चा चोर की अफवाहों पर रोकथाम लगाने के लिए जन-जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। हाल के दिनों में विभिन्न जिलों पर फैल रही बच्चा चोरी से जुड़ी अफवाहों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है।जामताड़ा उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी या अफवाह पर विश्वास न करें। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत होता है तो कानून अपने हाथ में लेने के बजाय तुरंत नजदीकी थाना या डायल 112 पर सूचना दें।उपायुक्त ने कहा कि अफवाहों के कारण निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंच सकता है, जो कि कानूनन अपराध है। समाज के सभी वर्गों से जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने की अपील की गई।जामताड़ा पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने कहा कि जिले में इस प्रकार की कोई सत्यापित घटना सामने नहीं आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी या अनजान व्यक्तियों के साथ किसी प्रकार की हिंसात्मक प्रतिक्रिया करना दंडनीय अपराध है। यदि कोई भी व्यक्ति कानून हाथ में लेता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धा व भक्ति के साथ निकली दोल यात्रा, भक्तों संग राधा-कृष्ण ने खेली होली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सोमवार को पवित्र दोल पूर्णिमा के मौके पर धार्मिक नगरी सरायकेला में आध्यात्मिक उत्थान श्रीजगन्नाथ मंडली के संस्थापक ज्योतिलाल साहू की अगुवाई राधा-कृष्ण की दोल यात्रा निकाली गयी। राधा-कृष्ण की कांस्य प्रतिमा का श्रृंगार कर नगर भ्रमण कराया गया।इस दौरान भक्तों ने राधा-कृष्ण को साथ गुलाल अर्पित करने के साथ साथ एक दूसरे लगा कर होली खेली। भक्त और भगवान के इस मिलन को देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे हुए थे।दोल यात्रा में वर्षों से चली आ रही उत्कल की प्राचीन एवं समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की झलक दिखायी दी। दोल यात्रा के दौरान सरायकेला में जगह-जगह राधा-कृष्ण का स्वागत पारंपरिक शंख ध्वनि एवं उलुध्वनि से किया गया। इस दौरान भक्त पारंपरिक वाद्य यंत्र मृदंग, झंजाल के साथ दोलो यात्रा में शामिल होकर नृत्य एवं कीर्तन करते नजर आये। राधा-कृष्ण के

स्वागत के लिए श्रद्धालु अपने घर के सामने गोबर लेपने के साथ-साथ रंग-बिरंगी अल्पना भी बनाये गये थे।दोल यात्रा में पारंपरिक घोडा नाच आकर्षण का केंद्र बना रहा।इसे देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।दोल यात्रा के दौरान लोगों में उत्साह देखा गया। दोल यात्र एकमात्र ऐसा धार्मिक अनुष्ठान माना जाता है कि जब प्रभु अपने भक्त के साथ गुलाल खेलने के लिये उसके चौखट में पहुंचते हैं।सरायकेला में इस दुर्लभ यात्रा को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है।दोल यात्रा नामक इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हर वर्ष आध्यात्मिक उत्थान श्रीजगन्नाथ मंडली द्वारा किया जाता है।आध्यात्मिक उत्थान श्रीजगन्नाथ मंडली के संस्थापक ज्योतिलाल साहू ने बताया कि जगत के पालनहार श्रीकृष्ण के द्वादश यात्राओं में से एक है दोल यात्रा। क्षेत्र में प्रचलित इस श्लोक ह्यह्यदोले तु दोल गोविंदम, चापे तु मधुसुदनम, रथे तु मामन द्दष्टा, पुर्नजन्म न विद्यते...ह्लह्ल के अनुसार दोल (झुला या पालकी), रथ और नौका में भू के दर्शन के मनुष्य को जन्म चक्र से मुक्ति मिलती है। होली में आयोजित होनेवाली इस यात्रा को दुर्लभ यात्रा माना जाता है।दोल यात्रा के मुख्य आयोजक सरायकेला के कवि ज्योति लाल साहू बताते हैं कि सरायकेला में दोल यात्रा की शुरूआत वर्ष 1818 में महाराजा उदित नारायण सिंहदेव के शासन काल में हुई थी। राजा-राजवाड़े के समय में इसका आयोजन फागू दशमी से दोल पूर्णिमा तक होता था। वर्ष 1990 से आध्यात्मिक उत्थान श्री जगन्नाथ मंडली संस्था द्वारा पारंपरिक रूप से दोल यात्रा का आयोजन हो रहा है।वर्तमान में दोल यात्रा का आयोजन एक ही दिन दोल पूर्णिमा के दिन होता है।

हाथी के शहर में घुसने से मची अफरा-तफरी शहर से भगाने के क्रम में कुआं में गिरा, रेस्क्यू किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : खूंटी शहर में सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक विशालकाय जंगली हाथी शहरी क्षेत्र में आ गया।सुबह-सुबह एक हाथी शहर के दतिया होते हुये नेताजी चौक के समीप दतिया रोड में स्थित गुदड़ी बाजार तक आ पहुंचा। हाथी के आते ही लोग इधर-उधर भागने लगे। इसके बाद पुलिस और वन विभाग की टीम सहित शहरवासी उसे भगाने में जुट गयी।बड़ी मषक्कत के बाद हाथी पीढ़ीटोली होते हुये बाजार टांड़ से मुरहू पथ की ओर जाने लगा। जिसके बाद वह सेरेंगडीह स्थित पीढ़ीटोली (डिम्बा लोहरा) के एक पुराने कुएं में जा गिरा।इसके बाद हाथी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच

गये। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार यादव, प्रभारी एसडीओ अरविंद कुमार ओझा, सीओ प्रदीप कुमार, प्रभारी वनपाल प्रवीण सिंह सहित सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। हाथी को कुआं से निकालने के लिए जेसीबी से गड्ढा खोदकर रास्ता बनाया गया।जिसके बाद हाथी बाहर निकला और मुरहू की तरफ जाने लगा। जानकारी के अनुसार शाम में हाथी मुरहू प्रखंड के माहिल गांव की तरफ चला गया था। शहर में हाथी के प्रवेश कर जाने से पूरे दिन लोग हलकान रहे। हालांकि हाथी ने किसी को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया। संभावना जतायी जा रही है कि दो दिन पहले जो हाथी रांची में देखा गया था वही हाथी खूंटी की ओर आ गया है। वन विभाग उसे जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही है।घटना को लेकर डीएफओ ने बताया कि हाथी कुएं में गिर गया था।उसकी स्थिति देखकर लगता है वह कमजोर है।उसे जंगल की ओर जाने में दिक्कत हो रही है।वन विभाग की रेस्क्यू टीम लगातार लगी हुई है। उसकी आंख में कुछ परेशानी है।उसे जंगल की ओर ले जाया जायेगा।

डीएसपीएमयू में गतिरोध बरकरार, कर्मचारी नहीं मनाएंगे होली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के आह्वान पर चल रहा कलमबंद आंदोलन सोमवार को 12वें दिन भी जारी रहा। कर्मचारी अपनी प्रमुख मांग एसीपी/एमएसीपी के भुगतान की बहाली को लेकर आंदोलनरत हैं। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। विरोध स्वरूप कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर कार्य का बहिष्कार किया। संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने रजिस्ट्रार डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी को पुनः ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। कर्मचारियों में व्याप्त आक्रोश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस वर्ष होली पर्व न मनाने का सामूहिक निर्णय लिया है।उनका कहना है कि आर्थिक अनिश्चितता के बीच उत्सव मनाना संभव नहीं है। होली के बाद भी जारी रहेगा आंदोलन संघ ने स्पष्ट किया है कि 12 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई सार्थक पहल नहीं हुई है। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि यदि अवकाश से पहले मांगें पूरी नहीं होती, तो होली की छुट्टियों के बाद भी आंदोलन यथावत जारी रहेगा। आंदोलन में संतोष कुमार, शैलेन्द्र कुमार, उदय प्रसाद, राजू साव, मनोज कुमार, अजीत दत्त, सीमा देवी, अनुज उरांव, रिंकू देवी, रतीन्द्र सिंह, मंगला प्रसाद, महावीर मुंडा, मंगल उरांव, मो. आसिफ, नीलम देवी, अनुराधा कुमारी, कृष्णा राम, मोहन कच्छप समेत शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हैं।

भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरीगड़ा गांव के समीप सोमवार को भीषण सड़क हादसे में पल्सर बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब रनिया से मरचा की ओर जा रहे बाइक सवारों को मरचा से रनिया की ओर आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पल्सर मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद तीनों युवक सड़क से करीब 10 फीट नीचे खेत में जा गिरे। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी।घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और तत्काल रनिया थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की तैयारी में जुट गई। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया।पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा फरार ट्रक की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

साइबर ठगी करते एक युवक गिरफ्तार, पांच फरार,दो मोबाइल जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : दुमका जिले के मसलिया थाना क्षेत्र के खुटोजोरी पंचायत अंतर्गत बाराटोल गांव में साइबर अपराध करते हुए पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि 4झ5 आरोपी पुलिस की गाड़ी देख मौके से फरार हो गए। गुप्त सूचना के आधार पर जिला पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी राजेश रंजन के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों, तकनीकी शाखा और गुप्तचर दल की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान बाराटोल निवासी मनताज अंसारी को गिरफ्तार किया गया, जबकि अन्य

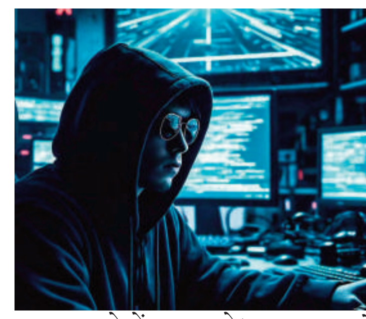

सदस्य भागने में सफल रहे। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।जांच में मोबाइल में कई आपत्तिजनक ऐप,गेम, लिंक, कस्टमर केयर एप्लिकेशन और स्क्रीनशॉट मिले, साथ ही मोबाइल के फ्रंट कैमरे पर सफेद कपड़ा चिपका हुआ पाया गया, ताकि वीडियो कॉल के दौरान आरोपी अपना चेहरा छिपा सके। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी गिरोह के साथ बैठकर गूगल एड्स के जरिए फर्जी कस्टमर केयर नंबर डालते थे।ह्लकुकू टीवी 999 का रिचार्ज मात्र 399 रुपये मेंह्व जैसे लुभावने ऑफर दिखाकर लोगों को कॉल करने के लिए प्रेरित किया जाता था। कॉल करने पर पीड़ितों को कस्टमर केयर सपोर्ट के नाम पर एपीके फाइल इंस्टॉल करने को कहा जाता था।एपीके इंस्टॉल होते ही आरडीपी तकनीक से मोबाइल का पूरा कंट्रोल अपराधियों के सिस्टम में चला जाता था और खाते से पैसा फर्जी खातों व ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर ट्रांसफर कर लिया जाता था।इस मामले में मसलिया थाना कांड संख्या 12/26 के तहत आईटी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में अभय कुमार सिंह, फेडरिक कुजूर, मंगल उरांव, फरमान आलम तथा इन्द्रजीत मुर्मू सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

होलिका दहन पर रेलवे हाई अलर्ट, लुहाठी फेंकने वालों पर कड़ी नजर

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के गया-कोडरमा सेक्शन में 24 घंटे की विशेष चौकसी बढ़ायी गई है।होलिका दहन को लेकर गया-कोडरमा रेल सेक्शन के संवेदनशील क्षेत्रों में सोमवार से 24 घंटे का हाई अलर्ट घोषित किया गया है। रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए ट्रैक, स्टेशन परिसर और ओवरहेड ट्रैक्शन तारों की निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि ट्रेनों का परिचालन सुचारू बना रहे।

लुहाठी फेंकने की घटनाओं पर सख्ती

होलिका दहन के बाद कुछ तथाकथित लोगों द्वारा जलती हुई लुहाठी ट्रैक्शन तार पर फेंकने की घटनाओं से ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होता है। इससे ओवरहेड उपकरणों को नुकसान पहुंचने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कोडरमा आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार, गुरपा आउट पोस्ट प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार और आरपीएफ की टीम द्वारा गया-कोडरमा सेक्शन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता अभियान के साथ सघन गश्ती भी की जा रही है।

ट्रेनों और रेल क्षेत्र में गश्ती अभियान तेज

होली के दौरान हुड़दंगियों पर नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेल क्षेत्र तथा ट्रेनों में गश्ती अभियान तेज कर दिया गया है। पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार स्वयं सुरक्षा एवं सतर्कता व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने का आह्वान किया है।

होली को लेकर फतेहपुर में 550 लोगों पर किया गया निरोधात्मक कार्रवाई, प्रशासन सख्त

फतेहपुर (गया)(एजेंसी) : होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से फतेहपुर में प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए बड़ी निरोधात्मक कार्रवाई की है। थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर कुल 550 लोगों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई संभावित उपद्रव एवं असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए की गई है, ताकि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे। साथ ही संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों की विशेष निगरानी की व्यवस्था भी की है। थाना स्तर पर लगातार गश्त बढ़ा दी गई है तथा शांति भंग करने की आशंका वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। यहां अब तक 550 व्यक्तियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है।उन्होंने बताया कि होली के दिन किसी भी प्रकार की हुड़दंग, जबरन रंग लगाने या अशांति फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। ताकि समय पर व त्वरित कार्रवाई की जा सके।

होली में बेहतर लॉ एंड ऑर्डर के लिए सीएपीएफ की तीन सहित 50 कपनी तैनात : पंकज दाराद

पटना,(एजेंसी) : पूरे राज्य में शांतिपूर्ण होली त्योहार को लेकर पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने बेहतर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के अपने प्लान के तहत राज्य भर में अलग-अलग पुलिस फोर्स की कुल 50 कंपनियां तैनात की हैं। जिसमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की तीन कंपनियां, बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) की 35 कंपनियां और रीजनल रिजर्व की 12 कंपनियां शामिल हैं।

एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजी) लॉ एंड ऑर्डर पंकज कुमार दाराद ने सरदार पटेल भवन में सोमवार शाम पत्रकार वार्ता में कहा कि पूरे राज्य में शांति से होली मनाने की हमारी कोशिश के तहत, हमने बेहतर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। क्योंकि यह रमजान का पवित्र महीना भी है। हमने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को ज्यादा चौकसी रखने और अनचाही घटनाओं को रोकने और लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय तेज करने का निर्देश दिया है।

एडीजी ने कहा कि पुलिस ज़िला लेवल से लेकर पुलिस हेडक्वार्टर लेवल तक सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखेगी और गलती करने वालों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सब-डिवीजनल लेवल पर और ज्यादा क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटीएस) बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में

लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए, राज्य भर में अलग-अलग पुलिस फोर्स की कुल 50 कंपनियां तैनात की गई हैं, जिसमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की तीन कंपनियां, बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) की 35 कंपनियां और रीजनल रिजर्व की 12 कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, होली के दौरान राज्य में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए 18,822 नए नियुक्त ट्रेनी कॉन्स्टेबल, 1600 पीटीसी ट्रेनी कॉन्स्टेबल (बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर से) और 1168 पीटीसी ट्रेनी कॉन्स्टेबल (नाथनगर से), 5100 होम गार्ड तैनात किए गए हैं।

उन्होंने कहा और अधिकारियों समेत पुलिस कर्मियों को होली के कारण छुट्टी लेने से रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि

भारतीय दंड संहिता (बीएलएलएस) के सेक्शन 126 के तहत बचाव के उपायों के तहत, पुलिस ने फरवरी 2026 में 1,32,824 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, जबकि बीएनएसएस के सेक्शन 135 के तहत 39,713 लोगों को बॉन्ड दिया गया है। इसके अलावा, फरवरी 2026 महीने में सीसीए के सेक्शन 3 के तहत 265 लोगों के खिलाफ डीएम को प्रस्ताव भेजे गए हैं।

एडीजी ने बताया कि फरवरी 2026 महीने में कुल 6463 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 6463 लोगों में से 379 लोग मर्डर केस में, 63 लोग डकैती में, 146 लोग लूट में, 309 लोग एससी/एसटी एक्ट में और बाकी 5459 लोग रेप, किडनैपिंग और दूसरे मामलों में गिरफ्तार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 373 फायरआर्म्स और 2186 कार्ट्रिज भी जब्त किए हैं।

होली में बेहतर लॉ एंड ऑर्डर के लिए सीएपीएफ की तीन सहित 50 कपनी तैनात : पंकज दाराद

पटना, (एजेंसी) : पूरे राज्य में शांतिपूर्ण होली त्योहार को लेकर पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने बेहतर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के अपने प्लान के तहत राज्य भर में अलग-अलग पुलिस फोर्स की कुल 50 कंपनियां तैनात की हैं। जिसमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की तीन कंपनियां, बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) की 35 कंपनियां और रीजनल रिजर्व की 12 कंपनियां शामिल हैं।

एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (एडीजी) लॉ एंड ऑर्डर पंकज कुमार दाराद ने सरदार पटेल भवन में सोमवार शाम पत्रकार वार्ता में कहा कि पूरे राज्य में शांति से होली मनाने की हमारी कोशिश के तहत, हमने बेहतर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। क्योंकि यह रमजान का पवित्र महीना भी है। हमने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट को ज्यादा चौकसी रखने और अनचाही घटनाओं को रोकने और लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपाय तेज करने का निर्देश दिया है।

एडीजी ने कहा कि पुलिस ज़िला लेवल से लेकर पुलिस हेडक्वार्टर लेवल तक सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखेगी और गलती करने वालों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सब-डिवीजनल लेवल पर और ज्यादा क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटीएस) बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में

होली को लेकर पूरी तरह अलर्ट है फतेहपुर व गुरपा पुलिस

फतेहपुर (गया जी):होली पर्व पर फतेहपुर और गुरपा में शांति व विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। खुरापतियों से निपटने के लिए पुलिस विशेष प्लान तैयार चौकसी बरत रही है। इसके साथ ही सभी मुखबिरों और चौकीदारों को भी अलर्ट पर रखा गया है। रंग के इस त्योहार पर पुलिस विशेष रूप से चौकस बनी है।

लोगों को अफवाहों से बचने की दी जा रही सलाह

एसएसपी द्वारा दिये गए दिशा-निर्देश के अनुसार एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस ने फतेहपुर प्रखंड के पूर्व से विवादित गांवों में पंचायत प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध लोंगो से मिल उनसे होली के दौरान शांति बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। साथ ही लोगों को किसी तरह के अफवाहों से बचने की भी सलाह दी गई है। होली को लेकर बगल के प्रदेशों से शराब की तस्करी पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही बदमाशों और वांछितों के खिलाफ भी

अभियान चलाया जा रहा है। होली पर्व को लेकर एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय के मॉनेटरिंग में फतेहपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार और गुरपा थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार पुलिस अभियान चलाया जा रहा है। इलाके में फ्लैग मार्च भी किया जा रहा है और लोगों से भाईचारे के साथ होली मनाने की अपील हो रही है। इस तरह पुलिस इलाके में पूरी तरह से चौकस बनी है।

शरारती तत्वों पर पुलिस की है पैनी नजर एसडीपीओ सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि होली पर फतेहपुर और गुरपा इलाके में सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त है। पुलिस की शरारती तत्वों पर पैनी नजर है। रंगों के त्योहार पर पुलिस विशेष चौकसी बरत रही है। उन्होंने कहा कि इलाके में पुलिस लगातार फ्लैग मार्च कर रही है। इस दौरान लोगों से भाईचारगी के साथ होली का त्योहार मनाने की अपील की जा रही है। साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया जा रहा है कि होली पर शरारती तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर है। उन्होंने कहा कि फतेहपुर जिस तरह से हर बार भाई चारे का मिसाल प्रस्तुत किया है। इस बार भी उस मिसाल को बनाये रखने की अपील लोगों से की गई है। साथ ही कहा कि शरारती तत्वों के कारण ही माहौल बिगड़ता है। इसलिए सभी लोग एकजुट हो शरारती तत्वों पर नजर रखें।

होली प्रेम और भाईचारे का पर्व, मिलजुल कर मनाएं: डॉ. संतोष

गया जी :होली मिलन समारोह के दौरान बिहार सरकार के मंत्री एवं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और रंगों का त्योहार है जिसे सभी को मिलजुल कर मनाना चाहिए। सोमवार को गयाजी शहर के गोदावरी स्थित आवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में उन्होंने शांति, सौहार्द और क्षेत्र के समुचित विकास पर विशेष जोर दिया। डॉ. सुमन ने गया और जहानाबाद सहित बिहार में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार विकास के एजेंडे पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से औद्योगिक कॉरिडोर के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा।उन्होंने अपने पिता एवं वरिष्ठ नेता जीतन राम मांझी के अनुभवों का उल्लेख करते हुए पार्टी कार्यकताओं से संगठनात्मक अनुशासन और मयार्दा का पालन करने का आह्वान किया। साथ ही लोगों से अपील की कि वे पुरानी कड़वाहटों को भुलाकर एकता, सद्भाव और प्रेम के साथ होली का पर्व मनाएं। समारोह में हम के जिला अध्यक्ष नारायण मांझी, जिला प्रवक्ता दिवाकर कुमार सिंह, जिला सचिव राकेश कुमार, रूबी देवी, पंकज सिंह, सुधीर यादव सहित बड़ी संख्या में समर्थक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

व्यवसायी से 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

पटना, (एजेंसी) : पटना की साइबर पुलिस ने दानापुर निवासी 21 वर्षीय विकास कुमार विपुल को शेयर बाजार निवेश घोटाले के जरिए एक व्यवसायी से लगभग 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़ित ने 5 फरवरी को साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। एफआईआर के अनुसार, उसने पूंजी निवेश में ज्यादा रिटर्न के वादे के लालच में आकर डेढ़ महीने में लगभग 30 आरटीजीएस लेनदेन में राशि ट्रांसफर की। विकास ने ह्लइंडिया बोल्ट प्लसह्व जैसे फर्जी एप्लिकेशन बनाए और सोशल मीडिया पर खुद को शेयर बाजार के विशेषज्ञ के रूप में पेश किया। उसने पीड़ितों को बड़ी रकम निवेश करने के लिए राजी करने से पहले छोटे मुनाफे देकर विश्वसनीयता बनाई।

होली पर्व एवं ईद उल फितर के अवसर पर जिलास्तरीय शान्ति समिति की बैठक का आयोजन

पूर्णिया, (एजेंसी) : पूर्णिया के जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री स्वीटी सहरावत की संयुक्त अध्यक्षता में होली पर्व एवं ईद उल फितर के अवसर पर जिलास्तरीय शान्ति समिति की बैठक का आयोजन महानंदा सभागार में आयोजित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित शांति समिति के सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की शुरूआत की गई। सर्वप्रथम जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्यों द्वारा होली पर्व एवं ईद उल फितर के अवसर पर शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण तथा भाईचारे के रूप में त्योहार मनाने को लेकर अपना-अपना सुझाव प्रकट किया गया। शांति समिति के सदस्यों द्वारा अपनी सहमति व्यक्त करते हुए कहा की जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करेंगे। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि पूर्णिया प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। जिले में होली पर्व के अवसर पर प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारीयां कर ली गई है। थाना एवं अनुमण्डल स्तर पर शांति समिति/आयोजन समिति की बैठक कर ली गयी है तथा सभी संवेदनशील स्थलों पर दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति सहित सभी ऐहतियाती कार्रवाई प्रशासन के स्तर से की जा रही है। शांति समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि डीजे पर पूरी प्रतिबंध है। अश्लील गाना बजाने वालों पर कार्रवाई करने का निदेश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया है तथा लाउडस्पीकर एक्ट का अनुपालन भी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जगह-जगह अभियान चलाया जा रहा है तथा वाहनों की सतत एवं सघन जाँच की जा रही है। इसके अतिरिक्त संवेदनशील स्थलों पर फ्लेग मार्च तथा अन्य एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा सोशल मीडिया पर सतत निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार का अफवाह फैलाने और आपत्ति जनक पोस्ट करने वाले व्यक्ति पर नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूर्णिया के द्वारा सभी उपस्थित थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में होली के दौरान लगातार भ्रमण शील रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारी एवं वरीय पुलिस पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि कोई भी अगर डीजे बजाते पकड़ा जाए तो उसपर कड़ी करवाई करना सुनिश्चित करे। होली पर्व के मद्देनजर 24७७ कंट्रोल रूम जिला स्तर पर प्रभावी रूप से कार्यरत रहेगा। आम लोगों को यदि किसी तरह की आपत्ति जनक सूचना प्राप्त होती है तो वे इसकी सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या-06454-243000/242310/241555,पर जिला प्रशासन को दें।

जिला पदाधिकारी पूर्णिया तथा पुलिस अधीक्षक पूर्णिया द्वारा संयुक्त रूप से जिला स्तरीय शांति समिति के सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी गई। जिला पदाधिकारी द्वारा पूर्णिया जिला के सभी ज़िले वासियों को होली की शुभकामनाएं दी गई तथा होली पर्व को आपसी भाईचारे से परिपूर्ण होकर हर्षोल्लास के साथ मनाने हेतु कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता राजस्व, विधि व्यवस्था, अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पूर्णिया, जिला शांति समिति के सभी सदस्य, सभी थाना प्रभारी पूर्णिया शहरी क्षेत्र, तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं, 13 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन

दरभंगा,(एजेंसी) : जिलाधिकारी कौशल कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनसुनवाई में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, पैक्स से जुड़े मामले, पेयजल समस्या, अंतजार्तीय विवाह, जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं से संबंधित शिकायतों सहित अन्य जनहित के मुद्दे जिलाधिकारी के समक्ष रखे।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कुल 25 से अधिक आवेदनों की सुनवाई की, जिनमें से 13 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया। शेष आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समाधान शीघ्र, पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक आवेदक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर की गई कार्रवाई की स्पष्ट और लिखित जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया।

उन्होंने बताया कि आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला और प्रमंडल स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर शिकायतों की सुनवाई करते हैं तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में बच्चों ने दिखाया दमखम

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

गया जी : भारत सरकार एवं सीबीएसई के तत्वावधान में आयोजित खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के तहत सोमवार को वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, खेल भावना को प्रोत्साहन, युवा प्रतिभाओं की पहचान और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। नर्सरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न स्पधाओं में भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षक एवं फुटबॉल खिलाड़ी विनय श्रीवास्तव के नेतृत्व में नितेश, दिलीप, संजीव रंजन, राजू भावेश, मतीन सर,

शालू, शिफा, रीता और मोनिका की संयुक्त देखरेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में फ्रूट दौड़, बैग दौड़, चॉकलेट दौड़, ऑक्टोपस दौड़ के साथ 50, 100 और 200 मीटर दौड़, लंबी कूद, कबड्डी और वॉलीबॉल जैसे खेल शामिल रहे। इसके अलावा अभिभावकों और शिक्षकों के बीच रस्सा खींच प्रतियोगिता ने कार्यक्रम को और रोमांचक बना दिया।-विजेताओं में नर्सरी के सार्थक, कक्षा एक के सुभाष, बिट्टू और सौरव, कक्षा चार के आयुष, सनी, अमनदीप, पीयूष और अरकान, कक्षा सात के अंकित और गोलू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कबड्डी में लड़कियों की अंजली की टीम विजेता तथा पायल की टीम उपविजेता रही। वहीं वॉलीबॉल में अंकित की टीम विजेता और आलोक की टीम उपविजेता बनी। विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक व सेवा संकल्प पाठन का हुआ आयोजन

हाजीपुर(एजेंसी) : महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में सोमवार को ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू) के पदाधिकारियों के साथ परिचालन, रेलवे के विकास, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र की वर्ष 2026 की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ। बैठक प्रारंभ होने से पूर्व महाप्रबंधक के नेतृत्व में सभी अधिकारियों एवं यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा ह्यह्यसेवा संकल्प प्रस्तावह्यह्य का पाठन किया गया । प्रस्ताव की भावना के अनुरूप ही सभी रेलकर्मियों द्वारा सेवाभाव व निष्ठा की प्रतिबद्धता दुहराई गई जिससे

रेल एवं देश के विकास में सम्यक योगदान होगा।बैठक में अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे । बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया । महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में भी हम नियमित रूप से पदोन्नति देने, एमएसीपी प्रदान करने, चिकित्सीय एवं शैक्षणिक सहायता हेतु राशि प्रदान करने, ससमय समापक भुगतान करने तथा अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने जैसे कर्मचारी कल्याण से जुड़े कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं । उन्होंने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में और नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा।महाप्रबंधक ने यूनियन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने रेलकर्मियों के कल्याण व आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, रेलवे की आय बढ़ाने तथा विकास कार्यों पर विशेष बल दिए जाने की प्रतिबद्धता दुहराई तथा पूर्व मध्य रेल की प्रगति में यूनियन की सहभागिता के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।बैठक में ईसीआरईयू के अध्यक्ष संतोष कुमार पासवान, महासचिव मृत्युंजय कुमार एवं ईसीआरईयू के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। यूनियन द्वारा बैठक के दौरान कर्मचारी कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

संपादकीय

शेयर बाजार में 30 सेकंड में 7.80 लाख करोड़ डूबे

भारतीय शेयर बाजार में इजराइल-अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद, जिस तरह से सारी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल बना है, इसका सबसे ज्यादा असर शेयर बाजारों पर पड़ा है। इसमें भी सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार में हुआ है। बाजार खुलते ही 30 सेकंड के अंदर निवेशकों के लगभग 7.80 लाख करोड रुपए एक ही झटके में डूब गए। उसके बाद घरेलू संस्थागत निवेश को ने 2292.8 करोड़ रुपए की खरीददारी कर बाजार को गिरने से रोका। सोमवार को बाजार खुलते ही शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली देखने को मिली। 7536.4 करोड़ के शेयर विदेशी निवेशकों के बेचते ही भारतीय बाजार में कोहराम मच गया। शेयर बाजार की अस्थिरता से इंडेक्स 15 फीसदी उछलकर 15.78 पर पहुंच गया। उसके बाद निवेशकों ने डूबने से बचने के लिए भारी बिकवाली शुरू कर दी। शेयर बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि की आशंका को देखते हुए सभी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली। देखते ही देखते निफ़्टी 350 अंकों से ज्यादा का गोता लगाने के बाद देसी संस्थागत निवेशकों के कारण निवेशको की ऑक्सीजन लेने की स्थिति बनी। शेयर बाजार में शाम को कारोबार बंद होने के समय निफ़्टी 313 अंकों की गिरावट के साथ 24865 तथा मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 1043 अंकों की गिरावट के साथ 80238 पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार में गिरावट के लिए मुख्य रूप से इजरायल और अमेरिका की ओर से ईरान पर जो हमला किया गया था, उस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु हो जाने के बाद दुनिया के कई देशों में हालात बिगड़ गए। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के उन देशों पर हमला किया, जहां पर अमेरिकी सैन्य अड्डे थे। ईरान के हमले से अमेरिकी सैन्य अड्डों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह माना जाता था, अमेरिका के यह सबसे सुरक्षित सैन्य क्षेत्र हैं। ईरान के हमले से तेल उत्पादक देशों में बड़े पैमाने पर अफरा-तफरी मच गई है। कच्चे तेल के दाम में लगभग सात फीसदी से अधिक की तेजी देखने को मिली। कच्चे तेल का भाव बढ़कर 82.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ईरान ने होमुर्ज से समुद्री आवाजाही को बंद कर दिया। कच्चे तेल के एक जहाज ने जबरदस्ती निकालने की कोशिश की। उस पर मिसाइल से हमला कर उसे जला दिया गया। जिसके कारण तेल की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई है। सोमवार को दुनिया भर के सभी बाजारों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में भारी इजाफा देखने को मिला है।

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।

: महोपनिषद

जल से शरीर शुद्ध होता है, मन से सत्य शुद्ध होता है, विद्या और तप से भूतात्मा तथा ज्ञान से बुद्धि शुद्ध होती है।

: मनुस्मृति

सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो

राग, रंग, रस, संस्कृति और हर्षोल्लास का महापर्वझहोली

भारत पर्व-त्योहारों का देश है - विविधताओं से भरा, .किंतु सांस्कृतिक आत्मा से एकसूत्र में गुँथा हुआ। इसी सांस्कृतिक चेतना के विराट आकाश में यदि कोई उत्सव अपनी बहुरंगी छटा,लोक ध्वनि,पौराणिक स्मृतियों और प्रेमरस की मधुरता के कारण सर्वाधिक जीवंत प्रतीत होता है, तो वह होली है।होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,यह ऋतु-परिवर्तन का सांस्कृतिक विधान, लोकजीवन का उत्स, संगीत और किंदन्तियों का आलोक तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है।

फाल्गुन के आगमन के साथ जब शीत ऋतु की कठोरता शिथिल पड़ती है,आम्र-मंजरियों की सुगंध वातावरण में घुलती है और प्रकृति नवयौवन से दीप्त होती है, तब भारतीय जनमानस में होली की स्मृतियाँ और परम्पराएँ जाग उठती हैं। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं,जीवन के नवोन्मेष का संकेत है-जड़ता से चेतना की ओर, संकुचन से विस्तार की ओर।

होली का पौराणिक आधार भारतीय मानस में गहरे प्रतिष्ठित है।भक्त प्रह्लाद,असुरराज हिरण्यकशिपु और होलिका की कथा धर्म और अधर्म, आस्था और अहंकार के शाश्वत संघर्ष की प्रतीक है।फाल्गुन पूर्णिमा की रात्रि को प्रज्ज्वलित होलिका- दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,अपितु आत्मशुद्धि और सामाजिक चेतना का संस्कार है। अग्नि की परिक्रमा करते समय व्यक्ति अपने अंतःकरण की नकारात्मकताओं को त्यागने और सत्य, करुणा तथा नवजीवन का संकल्प लेने का भाव जगाता है।

कृषि-संस्कृति से जुड़े समाज में यह पर्व नई फसल के स्वागत का भी प्रतीक रहा है।खेतों की हरियाली, श्रम की सार्थकता और सामूहिक उल्लास - ये सब होली की अग्नि में मानो संस्कारित होते हैं। इस प्रकार होली केवल पौराणिक स्मृति नहीं, ग्रामीण जीवन की धड़कन भी है।

ब्रजभूमि में होली का स्वरूप विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम ग्रहण करता है। मथुरा,वृंदावन और बरसाना की होली भारतीय लोकपरम्परा का सजीव उदाहरण है। यहाँ यह उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की प्रेमलीलाओं की सांस्कृतिक पुनर्रचना है।बरसाना की लठमार होली में स्त्रियाँ पारम्परिक परिधान धारण कर लाठियों के साथ प्रतीकात्मक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उस रसपूर्ण परम्परा को निभाते हैं।यह आयोजन केवल हास्य-परिहास नहीं, लोकनाट्य की सशक्त अभिव्यक्ति है,जिसमें प्रेम का अल्हड़पन और सामाजिक संवाद का सहज स्वर मिलता है।वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली का विशेष महत्व है। पुष्पवर्षा के बीच गाए जाने वाले होरी-गीत वातावरण को भक्ति और श्रृंगार-रस से परिपूर्ण कर देते हैं। ह्लआज बिरज में होरी रे रसियाह्व जैसे पद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति के संवाहक हैं।उनमें राधा का मान, कृष्ण की चंचलता, गोपियों की अनुरक्ति और ब्रज की रसमयी चेतना सजीव हो उठती है।

होली के साथ जुड़ी एक अन्य किंदन्ती शिव-पार्वती से भी सम्बद्ध है।फाल्गुन की मादकता में जब कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया,तब शिव के तृतीय नेत्र की ज्वाला से उसका दहन हुआ।किंतु रति के करुण विलाप से प्रसन्न होकर शिव ने उसे अनंग रूप में पुनर्जीवन दिया। इस कथा में काम,संयम और करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है - जो होली के प्रेमरस को एक आध्यात्मिक आधार प्रदान करता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी होरी का विशिष्ट स्थान है।धमार,ठुमरी और दादरा जैसी शैलियों में होली के पदों का गायन होता रहा है। श्रृंगार और भक्ति का यह अद्भुत संगम भारतीय संगीत परम्परा की गहराई को दशार्ता है।लोक और शास्त्र का यह सेतु ही हमारी सांस्कृतिक पहचान है।

उत्तर भारत में फाग या फगुआ के नाम से प्रचलित लोकगीत होली की आत्मा हैं।ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर गूँजते ये गीत समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं। अवध में चौताल और धमाल की परम्परा,बिहार और पूर्वांचल में फगुआ की विशिष्ट शैली, राजस्थान में गेर नृत्य - ये सभी होली के विविध रंग हैं।पंजाब में आनंदपुर साहिब में आयोजित होला मोहल्ला सामुदायिक अनुशासन और शौर्य का प्रतीक है।पश्चिम बंगाल में डोल पूर्णिमा के अवसर पर कीर्तन और सांस्कृतिक शोभायात्राएँ इस पर्व को भक्ति और संगीत से आलोकित करती हैं।इस प्रकार क्षेत्रीय विविधताएँ मिलकर राष्ट्रीय एकता का विराट स्वर रचती हैं।प्रकृति से जुड़ी रंग-परम्परा भी होली की विशिष्ट पहचान रही है। टेसू या पलाश के फूलों से केसरिया रंग,गुलाब और कचनार की पंखुड़ियों से गुलाल,हल्दी और चंदन का प्रयोग - ये सब केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता के प्रतीक थे।रंगों की यह सृष्टि प्रकृति के प्रति संवेदन शीलता और सामूहिक श्रम की संस्कृति को पुष्ट करती थी।सामाजिक दृष्टि से होली समता और संवाद का पर्व है।रंग लगाने की परम्परा यह संदेश देती है कि बाह्य भेद अस्थायी हैं; अंतःकरण का प्रेम ही शाश्वत है।ग्रामीण समाज में इस अवसर पर पुराने विवाद भुलाकर मेल-मिलाप की परम्परा रही है।समय के साथ होली का स्वरूप परिवर्तित अवश्य हुआ है। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने इसकी अभिव्यक्ति को नया रूप दिया है - तेज ध्वनि वाले संगीत,कृत्रिम रंग और भव्य आयोजनों के माध्यम से।किंतु इसके मूल में स्थित प्रेम, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

ब्रज की रसमयी होली,बरसाने की लठमार परम्परा,अवध का फाग, बिहार का फगुआ,राजस्थान की गेर,पंजाब का होला और बंगाल की डोल-ये सभी मिलकर होली को राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाते हैं।विविधता में एकता का यह स्वरूप भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।फाल्गुन की मदमस्त बयार में जब ढोलक की थाप और फाग के स्वर गूँजते हैं,तब प्रतीत होता है कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। इसमें पौराणिक स्मृति,लोककला, संगीत,प्रकृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

इसीलिए होली सदियों से हमारी सांस्कृतिक धारा में अविरल प्रवाहित है और आगे भी प्रेम,राग और रस के साथ समाज को एक सूत्र में बाँधती रहेगी- मानो हर द्वार पर यही मंगल कामना गूँजती रहेः ह्लसदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो।

बिनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गधे पर बैठकर होली खेलने की अनूठी परम्परा !

होली के लिए कहा जाता है कि जब मौसम में बासंती ब्यार बहने लगे और लोगो में मस्ती का भाव कुलमुलाने लगे और प्रकृति अपना आवरण बदलने लगे तो समझो फाल्गुन आ गया यानि होली ने आपके द्वार पर दस्तक दे दी है। होली एक ऐसा पर्व है जो स्वयं ही लोगो के दिलो में उमंगता लाकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करता है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए

जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस पर हम सब रंगो से सराबोर हो जाते है। होली के इस पर्व को यौवनोत्सव,मदनोत्सव,बसंतोत्सव, दोलयात्रा व शिमागा के रूप में मनाये जाने की परम्परा है। फाल्गुन मास के अन्तिम दिन मनाए जाने वाले रंगो के इस पर्व होलिकोत्सव को लेकर यूं तो विभिन्न कथाए प्रचलित है।लेकिन इस पर्व की वास्तविक शुरूआत प्रकृति परिवर्तन से ही होती है। प्रकृति अपना आवरण बदलती है। पेड पोधे अपने पुराने पत्तो को त्यागकर ,पेड का तना अपने बक्कल को छोडकर नये पत्तो व नये स्वरूप में परिवर्तित होते है। इसी प्रकार मनुष्य के शरीर की खाल तक धीरे धीरे बदल जाती है। पांच तत्वों से बना हमारा शरीर भी चूंकि प्रकृति का अंग है इसकारण वह भी मन और शरीर दोनो तरह से अपने आपमें परिवर्तन का अनुभव करता है। यही अनुभव हम होली के रूप में तहसूस करते है।

होली अर्थात पवित्रता का पर्व होली शब्द को यदि अंग्रेजी भाषा रूप में देखे तो इसका अर्थ पवित्र है। यानि होली को पवित्रता का त्यौहार भी माना जाता है। जिसमें सब आपसी ईष्या व द्वेष मिटाकर पवित्र मन से नई फसल आने की खुशी होली रूप में मनाते है। यदि यह पर्व पवित्र है,तो फिर इस पवित्र और पावन पर्व पर हुडदंग कैसा ?यह पर्व प्रकृति के नवपरिवर्तन से जुडा है। प्रकृति जब अपना आवरण बदलने लगती है मौसम में बासंती ब्यार बहने लगती और लोगो में प्यार और मोहब्बत का भाव जगाने लगती है तो समझो फाल्गुन का मौसम आ गया और होली अर्थात पवित्रता के रंग में रंगने का अवसर भी आ गया। होली लोगो के दिलो पर

दस्तक देकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करती है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है।

होली की मशहूर कथाएं

धार्मिक पुस्तको व शास्त्रों में होली को लेकर विभिन्न दन्त कथायें प्रचलित है। इन कथाओं के अनुसार नारद पुराण में यह पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के अन्त व भक्त प्रहलाद की ईश्वर के प्रति आस्था के प्रति विजय का प्रतीक है। प्रचलित कथा के अनुसार हिरण्य कश्यपको जब उनके पुत्र प्रहलाद ने भगवान मानने से इंकार कर दिया तो अहंकारी शासक हिरण्य कश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की हत्या के लिए उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका की गोद में जलती चिता में बैठा दिया किन्तु होलिका का आग में न जलने का वरदान काम नही आया और वह आग में जलकर भस्म हो गई। जबकि प्रहलाद सकुशल बच गया। तभी से होलिकोत्सव पर होली दहन की परम्परा की शुरूआत हुई। होली के पर्व को मुगल शासक भी शान से मनाया करते थे। मुगल बादशाह अकबर अपनी महारानी जोधाबाई के साथ जमकर होली खेलते थे। बादशाह जहांगीर ने भी पत्नी नूरजहां के साथ रंगो की होली खेली। इसी तरह बादशाह औरंगजेब ,उनके पुत्र शाह आलम और पोत्र जहांदर शाह ने भी होली का त्योहार रंगो के साथ मस्ती के आलम में मनाया जिसका उल्लेख इतिहास में पढने को मिलता है। जिससे स्पष्ट है कि हिन्दू ही नही मुस्लमान भी होली का पर्व मनाते रहे है। पिरान कलियर के वार्षिक उर्स में विदेशों से आने वाले जायरीन हर साल फूलो की होली खेलते है, जिसमें हिन्दू और मुस्लमान दोनो शामिल होते है। राजस्थान के सांभर की होली राजस्थान में सांभर की होली का अपना महत्व है। सांभर की होलीमनाने के लिए आदिवासी समाज की लडकियां वस्त्रो की जगह अपने शरीर को टेसू की फूल मालाओं से ढककर अपने प्रेमियों के साथ नदी किनारे जाकर सर्प नृत्य करती है। इस सर्प नृत्य के बाद इन लडकियो की शादी उनके प्रेमियों के साथ कर दी जाती है। राजस्थान में ही हाडोती की कोडामार होली जिसमें देवर भाभी व जीजा शाली एक दुसरे को कोडे मार कर होली के रगं में रंग जाते है। इसी राजस्थान में होली पर अकबर बीरबल की शोभा यात्रा निकालकर होली का रगं व गुलाल खेला जाता है। राजस्थान के बाडमेंर में तो होली की मस्ती के लिए जीवित व्यक्तियों की शवयात्रा बैण्डबाजे के साथ निकालने की परम्परा है। वही राजस्थान के जालोर क्षेत्र में होली पर लूर नृत्य किया जाता है तो झालावाड क्षेत्र में गधे पर बैठकर होली की मस्ती में झूमने की परम्परा है। बीहड क्षेत्र में तो पुरूष धाधरा चोली पहन कर ढोल नंगाडे बजाते हुए होली का नृत्य करते है तथा होली का गायन करते है। मथुरा की लठठमार होली बीकानेर की डोलचीमार होली की कहानी भी गजब है।

लठठमार होली मथुरा के बरसाने में खेली जाती है। जिसमें महिलाए पुरूषो पर लठठ से प्रहार करती है और पुरूष ढाल का उपयोग कर अपना बचाव करते है।इस लठठमार होली को देखने के लिए देश विदेश से बडी सख्या में श्रद्धालु मथुरा आते है। भले ही इस होली को लठठमार होली के रूप में मनाया जाता हो परन्तु किसी के भी मन में होली खेलते समय कोई बैर भाव नही होता सभी प्यार और माहब्बत को नया जन्म देने के लिए यह होली खेलते है।

पंजाब के होला मोहल्ला की शान ही निराली है। होला मोहल्ला की तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है। जिसमें शामिल होने के लिए लोग दूर दूर से पंजाब पहुंचते है और होला मोहल्ला की मस्ती में खोये रहते है। होला मोहल्ला रूप में होली का पर्व मनाने का मकसद भी नई फसल की खुशी मनाना ही है। इसी तरह ,कांगडा की भक्ति रस में डूबी होली की अपनी ही शान है। यानि चहुं और मस्ती के इस पर्व को नई फसल आने की खुशी के रूप में ही जगह जगह मनाया जाता है।

विकारमुक्ति का पर्व है होली

कुछ लोगो ने होली की मस्ती के नाम पर इस पवित्र व पावन पर्व को अपवित्र भी कर दिया है। होली पर खुशी कायम करने के लिए आपसी प्रेम,मोहब्बत,भाईचारे की नई शुरूआत के लिए रूठो को मनाने के लिए और विकारों को छोडकर अच्छे गुण धारण करने के संकल्प लेने के बजाए कुछ लोग होली पर शराब पीने,जुआ खेलने,दुसरों पर कीचड डालने को ही होली समझ बैठते है जबकि यह पर्व इन दुगुर्णो को त्यागने का सबसे अच्छा अवसर है। नई फसल ,नई प्रकृति आवरण और शरीर में नया खून बनने और त्वचा आवरण बदलने का स्वागत हमे प्राकृतिक रंगो ,फूलो और मिठास से करना चाहिए। होली जलाने का तात्पर्य भी यही है कि हम अपने विकारो को होलिका में जलाकर पवित्र और पावन बनने का संकल्प ले तभी होली पर्व को सार्थक किया जा सकता है और तभी होली का भरपूर आनन्द भी ले सकते है।

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7440

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7439 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

दैनिक पंचांग

3 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

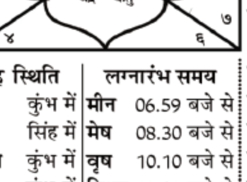

मंगलवार 2026 वर्ष का 62 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 10.25 बजे को समाप्त।
करण बव 17.08 बजे तदनन्तर बालव 04.55 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 13.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872637
जूलियन दिन 2461102.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 13
विशेष होलिका दहन, चैतन्य महाप्रभु जयंती, लक्ष्मी जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.30 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.10 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.22 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.38 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.00 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.15 ब.से
राहुकाल		धनु	01.31 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.36 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.23 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बदलते दौर में होली: परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 2026 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रातः 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को ह्यहोलाह्ण कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना।रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी- हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कर्नाटक सरकार सतर्क, यूएई-बहरीन में फंसे कन्नड़वासियों की मदद के प्रयास तेज

बेंगलुरु, (एजेंसी) :पश्चिम एशिया में हाल के दिनों में बढ़ते तनाव को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने वहां की स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को स्पष्ट किया है कि विदेश में रह रहे प्रत्येक कन्नड़वासी की सुरक्षा और कुशल-क्षेम राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर जारी बयान में मुख्यमंत्री ने बताया कि हवाई क्षेत्र में बाधाओं और उड़ानों के रद्द होने के कारण लगभग 100 कन्नड़वासी संयुक्त अरब अमीरात में, विशेष रूप से दुबई में फंसे हुए हैं। इसके अतिरिक्त 9 कन्नड़वासी बहरीन में होने की सूचना है। राज्य सरकार इन सभी से संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया, ह्णकर्नाटक सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी है। आपकी सुरक्षा और सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य आपात संचालन केंद्र तथा सभी जिला आपात संचालन केंद्र चौबीस घंटे सातों दिन सक्रिय हैं। केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा संबंधित देशों में स्थित भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है, ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके।

प्रदेश के मुख्य सचिव की ओर से भारत सरकार को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है, जिससे कन्नड़वासियों की सुरक्षा, त्वरित सहायता और शीघ्र स्वदेश वापसी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही एयरलाइंस कंपनियों से टिकट पुनर्निर्धारण में लचीलापन बरतने और अतिरिक्त वापसी उड़ानों की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद कन्नड़वासियों से अपील की है कि वे शांत रहें और स्थानीय प्रशासन तथा भारतीय दूतावासों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्हें संबंधित दूतावासों में पंजीकरण कराने और जारी हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से संपर्क बनाए रखने की सलाह दी गई है।

इंडिया यूथ फ्रंट ने चिब की गिरफ्तारी के

विरोध में सड़कों पर उतरने की दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : इंडिया यूथ फ्रंट ने भारतीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

भारतीय युवा कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को पत्रकार वार्ता में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने सरकार से माफी की मांग की। युवा कांग्रेस की महासचिव सुरभि द्विवेदी ने कहा कि न्यायालय ने हमारे प्रदर्शन को भड़काऊ और देश विरोधी नहीं पटाया। न्यायालय की टिप्पणी के बाद प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। देश के लिए आवाज उठाने पर संगठन को नंगा कहा गया।

शरद पवार धड़े की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फहाद अहमद ने कहा कि जिस भी दबाव में जमानत याचिका खारिज की जा रही है, वह दबाव हटेगा। उदय भानु चिब शीघ्र रिहा होंगे। किसी भी प्रदर्शन को दबाने से वह और बड़ा होता है। सरकार आवाज नहीं दबा सकती। प्रदर्शन जारी रहेगा।

मुस्लिम यूथ लीग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अंसारी ने कहा कि सरकार देश के आंतरिक निर्णय बाहरी दबाव में ले रही है। अमेरिका के साथ समझौते से देश के हितों से समझौता किया गया। युवा कांग्रेस बड़े संगठनों में से एक है। उसके अध्यक्ष को शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किया गया। यदि उन्हें शीघ्र नहीं छोड़ा गया तो सड़कों पर प्रदर्शन होगा।

आम आदमी पार्टी छात्र विंग के राष्ट्रीय प्रभारी अनुराग निगम ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से देश को बेचने का काम किया गया। आईवाईसी ने भारत मंडपम में अन्य देशों की तकनीक को अपना बताकर प्रस्तुत करने का विरोध किया। किसानों और व्यापारियों के हितों के खिलाफ कदमों का भी विरोध किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विरोध से डर गई है और नेता को जेल भेज दिया। ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन के हरीश बाला ने कहा कि देश के हितों से समझौता किया जा रहा है। सरकार जनता की आवाज दबा रही है।

फिर गरमाया गोरखालैंड का मुद्दा, नितिन नवीन से मिले गोरखा नेता

दार्जिलिंग,(एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले गोरखालैंड का मुद्दा फिर सियासी चर्चा में है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय स्तर के नेता नितिन नवीन के साथ हुई बैठक में गोरखा समुदाय के प्रतिनिधियों ने अपनी पुरानी मांगों को सामने रखा।

गोरखा नेताओं ने साफ कहा कि यदि गोरखालैंड का गठन संभव नहीं है, तो उत्तर बंगाल को केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। यह बैठक बंगाल भाजपा की परिवर्तन यात्रा के सिलसिले में सिलीगुड़ी में हुई, जहां गोरखा समुदाय के प्रतिनिधियों ने नितिन नवीन का पारंपरिक गोरखा टोपी पहनाकर स्वागत किया।

बैठक में गोरखा समुदाय ने पहाड़ क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि वर्ष 2007 के आंदोलन के बाद गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) का गठन हुआ, लेकिन समाधान नहीं हो सका। गोरखालैंड की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत गोरखा समुदाय का कहना है कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य विभाजन का सवाल भाजपा के लिए भी संवेदनशील है, फिर भी इस बार गोरखाओं ने वैकल्पिक तौर पर उत्तर बंगाल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग उठाई है। बैठक के बाद दार्जिलिंग से भाजपा विधायक नीरज जिम्बा ने कहा कि जब गोरखाओं के साथ बैठक होगी, तो गोरखालैंड का मुद्दा उठना स्वाभाविक है। दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है।

भाजपा चाहती है कि सभी समस्याओं का समाधान बातचीत के जरिए हो। 2026 में अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो पहाड़ की समस्या का स्थायी समाधान जरूर होगा। सिलीगुड़ी से भाजपा विधायक शंकर घोष ने कहा कि बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी पूरी जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन पार्टी संतुलन बनाए रखते हुए पहाड़ की समस्या का समाधान खोजेगी।उल्लेखनीय है कि, पहाड़ी इलाकों में भाजपाको लंबे समय तक समर्थन मिला है और दार्जिलिंग लोकसभा सीट पर पार्टी लगातार जीत दर्ज करती रही है।

दमदम हवाई अड्डे से पश्चिम एशिया के लिए 20 उड़ानें रद्द, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

कोलकाता, (एजेंसी) :पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। सोमवार को कोलकाता के नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, दमदम से पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों के लिए जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। कुल पांच विमान कंपनियों की 20 उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रद्द की गई उड़ानों में एमिरेट्स की आठ, कतर एयरवेज की चार, इतिहाद एयरवेज की चार, एयर अरबिया की दो और फ्लाई दुबई की दो उड़ानें शामिल हैं। इन उड़ानों के रद्द होने से दुबई, दोहा और अबू धाबी जाने वाले यात्रियों की यात्राएं प्रभावित हुई हैं।

पश्चिम एशिया के प्रमुख हवाई अड्डे, विशेषकर दुबई जैसे शहर, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए महत्वपूर्ण ट्रांजिट केंद्र माने जाते हैं। भारत से यूरोप और अमेरिका जाने वाले बड़ी संख्या में यात्री इन्हीं हवाई अड्डों के रास्ते यात्रा करते हैं। कोलकाता से भी नियमित रूप से इन केंद्रों के लिए सीधी उड़ानें संचालित होती हैं, लेकिन मौजूदा तनावपूर्ण हालात के कारण सेवाएं बाधित हो गई हैं।केवल कोलकाता ही नहीं, बल्कि दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई के हवाई अड्डों से भी पश्चिम एशिया के लिए कई उड़ानें रद्द की गई हैं। पश्चिम में बढ़ते तनाव के कारण कई प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवाएं अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई हैं।

इस स्थिति के कारण जहां भारत से जाने वाले यात्री अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, वहीं पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में फंसे भारतीय भी वीजा और वापसी को लेकर चिंतित हैं। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक में चर्चा की गई, जिसमें विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी के उपायों पर विचार किया गया।-विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण भारत में मौजूद विदेशी नागरिकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वीजा अवधि बढ़ाने और भारत में उनके ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उप्र में संपत्ति के विवाद में बेटे ने की मां-पिता, बहन और दादी की हत्या

बहराइच, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के रुपईडीहा थाना क्षेत्र में संपत्ति के विवाद में एक बेटे ने अपने माता-पिता, दादी और बहन की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपित ने खुद पर भी ईंट मारकर जान देने का प्रयास किया। पुलिस ने घायल आरोपित को अस्पताल में भर्ती कराया और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का मौका मुआयना किया है।

पुलिस अधीक्षक आर.एन. सिंह ने बताया कि रुपईडीहा थाना क्षेत्र के बसंतपुर रूदल (रामगांव) में रहने वाले बदलूराम (60) किसान थे। परिवार में पत्नी संजू (56), बेटी पार्वती (42), बेटा गुरुदेव, निरंकार और दादी शीतला (80) थीं। बड़े बेटे गुरुदेव ने बताया कि कुछ साल पहले पिता ने जमीन बेची थी। उस पैसे और संपत्ति को लेकर छोटे भाई निरंकार से विवाद चल रहा था। उसी पैसे के बंटवारे के लिए रविवार रात को छोटा भाई घर आया। पिता ने पैसे देने से मना किया तो उसने पास रखी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बीच बचाव के दौरान उसने मां संजू, बहन पार्वती और दादी शीतला पर भी कुल्हाड़ी से कई प्रहार कर दिए। स्थानीय लोग जब उसे पकड़ने लगे तो उसने अपने सिर पर भी ईंट मारकर लहूलुहान कर लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पिता, मां, बहन और दादी को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल आरोपित निरंकार को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने मौके से खून से सनी कुल्हाड़ी और एक ईंट बरामद की है।उन्होंने बताया कि गुरुदेव की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और चोरी की गाड़ी बरामद

इम्फाल, (एजेंसी) : सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम और थौबल जिलों में अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है।मणिपुर पुलिस मुख्यालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन पीपल्स रिवॉल्यूशनरी पार्टी कांग्लेईपाक (प्रीपाक) के एक सक्रिय कैडर खुंद्रकपाम अनिलकुमार सिंह उर्फ मंगंगलकपा (21) को गिरफ्तार किया। वह सावोंबुंग थोंगखोंग का निवासी है। उसे इम्फाल पूर्व जिले के लामलाई थाना क्षेत्र के फाकनुंग आवांग लैकाई से पकड़ा गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के सक्रिय कैडर खैदेम नरेंद्र सिंह उर्फ अंगौ उर्फ मैकेइंगकपा (29) को इम्फाल पश्चिम जिले के वांगोई खैदेम लैकाई स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक 9 एमएम पिस्तौल, एक मैगजीन, 9 एमएम की चार गोलियां तथा एक सिम कार्ड सहित मोबाइल फोन बरामद किया गया।

एक अन्य कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल लुप (केवाईकेएल) के एक कैडर इबुंगोमाचा लैश्रम उर्फ रॉकी उर्फ इबोमचा (43) को थौबल जिले के थौबल थाना क्षेत्र के यैरिपोक लमखाई इलाके से गिरफ्तार किया। वह नगालैंड के पेरेन जिले के गैली गांव का निवासी है और वर्तमान में इम्फाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई युमनाम लैकाई में रह रहा था। उसके पास से एक सिम कार्ड सहित मोबाइल फोन जब्त किया गया।इस बीच मणिपुर पुलिस ने मयांग इम्फाल क्षेत्र से एक होंडा एक्टिवा दोपहिया वाहन भी बरामद किया। यह वाहन 11 फरवरी को इम्फाल पश्चिम जिले के पटसोई थाना क्षेत्र से चोरी हुआ बताया गया है।

कश्मीर के कई हिस्सों में दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन, लाल चौक सील किया गया

श्रीनगर, (एजेंसी) :ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में कश्मीर के कई हिस्सों में सोमवार को दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हुआ। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने हल्का बल प्रयोग किया। लाल चौक स्थित प्रतिष्ठित घंटाघर को चारों ओर बैरिकेड लगाकर सील कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार शहर के बेमिना, गुंड हसीभाट और जहांगीर चौक इलाकों और दक्षिण कश्मीर के पुलवामा शहर में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बड़ी संख्या में शिया आबादी वाले इन इलाकों में प्रदर्शनकारी एकत्र होकर अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए सड़कों पर मार्च किया। कुछ इलाकों में सुरक्षा बलों को प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। छात्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर निजी स्कूलों सहित सभी शिक्षण संस्थानों को दो दिनों के लिए बंद कर दिया है। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं भी स्थगित की गई हैं।

प्रदर्शनकारियों के जमावड़े को रोकने के लिए शहर भर में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है।लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारी अमेरिका और इजरायल विरोधी नारे लगाते हुए अपनी छाती पीटते नजर आए। अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण चौराहों पर तार और बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

शनिवार तड़के ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों में खामेनेई की मौत हो गई। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार को उनकी मौत की पुष्टि की। ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल और अरब देशों पर मिसाइलें दाग रहा है।

राजस्थान के बीकानेर में ट्राई ने मोबाइल सेवाओं की गुणवत्ता जांची, जियो और एयरटेल का प्रदर्शन बेहतर

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने राजस्थान के बीकानेर जिले में मोबाइल सेवाओं की गुणवत्ता की जांच की। इसमें एयरटेल और जियो कॉल सेटअप सफलता दर में टॉप पर रहे।

केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि जनवरी में बीकानेर शहर, नोखा और श्रीडूंगरगढ़ कस्बों, देशनोक से नोरंगदेसर हाईवे (एनएच-754ए) और पूगल से रंजीतपुरा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-911) पर किए गए इस टेस्ट में सभी सेवा प्रदाताओं के मोबाइल नेटवर्क की वास्तविक प्रदर्शन क्षमता को परखा गया। कॉल सेटअप सफलता दर, कॉल ड्रॉप, कॉल क्वालिटी, डेटा डाउनलोड और अपलोड स्पीड जैसे प्रमुख मानकों पर निगरानी रखी गई। टेस्ट के लिए उन्नत हैंडसेट और सॉफ्टवेयर सिस्टम का इस्तेमाल किया गया।बीकानेर शहर, नोखा और श्रीडूंगरगढ़ में किए गए टेस्ट में एयरटेल और जियो की कॉल सेटअप सफलता दर लगभग 100 प्रतिशत रही, जबकि बीएसएनएल और वोडाफोन आइडिया में कुछ कमी दर्ज की गई। डेटा सेवाओं में जियो ने 5जी डाउनलोड स्पीड में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया।

देशनोक से नोरंगदेसर हाईवे पर एयरटेल और जियो की कॉल सफलता दर 100 प्रतिशत रही, जबकि बीएसएनएल और वीआई में गिरावट देखी गई। वहीं पूगल से रंजीतपुरा हाईवे पर जियो ने कॉल सेटअप में 100 प्रतिशत सफलता हासिल की, जबकि वीआई की दर सबसे कम रही। ट्राई ने कहा कि इन नतीजों को उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए वेबसाइट और अखबारों में प्रकाशित किया जाएगा ताकि सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाएं सुधारने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पश्चिम बंगाल की जनता ममता सरकार के कुशासन से त्रस्त: शिवराज

कोलकाता, (एजेंसी) : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। राज्य की जनता ममता बनर्जी के कुशासन से त्रस्त है। मां, मानुष और माटी का नारा देने वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार में आज मां लहूलुहान है, माटी खून से सनी है और मानुष पीड़ित है।शिवराज ने यहां एक बयान में कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का मतलब उत्पीड़न, माफिया और भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि टी का मतलब टार्चर और ट्रेजेडी, एम का मतलब मनी, मर्डर और माफिया और सी का मतलब करप्शन, क्राइम और क्रूरता बन गया है।उन्होंने कहा कि महिलाओं और बहन-बेटियों पर अत्याचार और अन्याय बढ़े हैं। घुसपैठ और तुष्टीकरण की नीति ने बंगाल में दंगे भड़काए हैं। हिंदुओं को त्योहार मनाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। तुष्टीकरण की राजनीति से गुंडों को बढ़ावा मिलता है। बंगाल की जनता अब यह सब और सहन नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में नौजवानों की नौकरियां भ्रष्टाचार ने छीन लीं। शिक्षक भर्ती घोटाले में हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ। नगरपालिका और स्थानीय निकायों की भर्तियों में भी घोटाले हुए। रोजगार के अवसर छीने गए और भर्तियों में बेईमानी की गई। जो अवसर बचे, वो भी घुसपैठियों को दे दिए गए। चुनाव से पहले बेरोजगारी भत्ता सिर्फ एक नाटक है लेकिन नौजवान अब इनके बहकावे में नहीं आएंगे। युवाओं ने अब बंगाल में परिवर्तन का मन बना लिया है।

बिकाराबाद के अनंतगिरी हिल्स में कांग्रेस पीएसी की बैठक, राहुल गांधी ने संगठन मजबूती और रणनीति पर मंथन

विकाराबाद, (एजेंसी) : तेलंगाना के विकाराबाद जिले में स्थित अनंतगिरी हिल्स में कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में राहुल गांधी, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, राज्य कांग्रेस प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ तथा वाई.एस. शर्मिला समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी अनंतगिरी में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लने वाले हैं। इस दौरान वे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के जिला अध्यक्षों के साथ केंद्रित चर्चा करेंगे। बैठक में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता बढ़ाने और आगामी राजनीतिक रणनीति को अंतिम रूप देने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जा जाएगा।

राहुल गांधी ने स्थानीय नेताओं के साथ जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाने, कार्यकताओं के बीच समन्वय बेहतर करने और भविष्य में उठाए जाने वाले ठोस कदमों पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि वे कांग्रेस की आगामी कार्ययोजना को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राहुल गांधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में भी शामिल होंगे और तेलुगू भाषी राज्यों के जिला अध्यक्षों व प्रमुख नेताओं को मार्गदर्शन देंगे। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस बैठक के माध्यम से जिला इकाइयों और केंद्रीय नेतृत्व के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा, जिससे संगठन को नई मजबूती मिलेगी।इससे पहले राहुल गांधी आज सुबह करीब 9:30 बजे राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (शमशाबाद एयरपोर्ट) पहुंचे। वहां से वे सीधे विकाराबाद रवाना हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के बाद वे शाम को दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी का यह दौरा जिला इकाइयों को पार्टी की व्यापक रणनीति से जोड़ने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों से पहले कार्यकताओं में उत्साह भरने के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

03-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 03-03-2026 09:02 Page 1

श्री विष्णु की कृपा से सोता जागता एक शहर

डॉ.राकेश कुमार सिन्हा'रवि'

गया जी के सप्त पर्वतों में एक भस्मकूट पर्वत पर माता मंगला गौरी तीर्थ के तिर्यक कोण पर जनार्दन मंदिर भगवान विष्णु के पुरातन देवस्थानों में एक है, जिसे अविमुक्तेश्वर नाथ कहा जाता है। विवरण है इस दुनिया जहान में जिसके कोई अपने नहीं हैं,वह यहां श्राद्ध पिंडदान कर स्वयं की मोक्ष की कामना हेतु निश्चित रूप से पिंडार्पण करता है।

भस्मकूट पर्वत क्षेत्र में ही भीम गया वेदी से पुण्डरीकाक्ष मंदिर तक जाने का मार्ग है।अब यह मंदिर प्रचार प्रसार में भले ही कम हो गया है पर गया जी में भगवान विष्णु के एक चर्चित रूप पुण्डरीकाक्ष जी का यह देवालय महाभारत कालीन बताया जाता है।पहले यहां पुण्डरीकाक्ष कुंड भी था लेकिन आज समय के साज पर बढ़ती आबादी के कारण यहां काफी कुछ परिवर्तन हो गया है।

यूं तो संपूर्ण भारतवर्ष में उत्तर से लेकर दक्षिण तक पर पूर्व से लेकर पश्चिम तक कितने ही ख्यातनाम वैष्णव तीर्थ हैं पर श्री विष्णु भगवान के चरण प्रदेश का महातीर्थ गया जी के मान विशिष्ट है,जो श्राद्ध पिंडदान के नगरी के रूप में सायुज्य मोक्ष तीर्थ के नाम से संपूर्ण विश्व भर में लब्धप्रतिष्ठित है।

पुराणों में भगवान विष्णु को मुक्ति प्रदाता बताया गया है और जिस तीर्थ में भगवान विष्णु भक्तों के कल्याणार्थ स्वयं उपस्थित होकर मोक्ष गति प्रदान करते हैं वह मुक्तिदायक तोया फल्गु जी के किनारे विराजमान गया जी ही है।विवरण है भगवान विष्णु बद्रीनाथ में शयन, द्वारकाधीश में स्नान, जगन्नाथ पुरी में भोजन और गया जी में श्रृंगार करते हैं।यही कारण है कि गया जी के श्री विष्णु पदालय में प्रत्येक संध्या गयापालों द्वारा बनाए गए श्री विष्णु चरण का दिव्य श्रृंगार देखने लायक होता है।

गया तीर्थ की कथा गया के महानायक पराक्रमी वैष्णव असुर गय के साथ जुड़ा हुआ है। विवरण है कि गयासुर के तरन तारण के नाम पर भगवान विष्णु का गया जी में साक्षात आगमन हुआ जिन्होंने अपने दाहिनी चरण से गयासुर को सदा सर्वदा के लिए भाव शून्य कर दिया। गया जी में भगवान विष्णु का यह गदाधर अवतार जगत के कल्याणार्थ हुआ था इसलिए कल्याणकारी तीर्थों में गया का सुनाम है।आज भी भगवान विष्णु का चरण यहां के श्री विष्णुपद मंदिर में देखा जा सकता है जो 13 इंच लंबा उतराभिमुख है।

श्री विष्णुपद मंदिर परिसर में ही गदाधर देव का पालकालीन मंदिर दूसरे आंगन में देखा जा सकता है जिसका निर्माण पाल नरेश नारायण पाल ने 1157 से 1167 ई के बीच करवाया था। यहां राजा नयपाल और अन्य अभिलेख भी इस मंदिर में देखे जा सकते हैं।इस मंदिर में भगवान विष्णु की आकर्षक और अनुपम रूप की प्रतिमा पूरे देश में चर्चित है।

गदाधर मंदिर के बाहरी कक्ष में श्री साक्षी गोपाल का सुंदर विग्रह देखा जा सकता है। इसके अलावा श्री विष्णुपद क्षेत्र में श्री गोपाल मंदिर, श्री नरसिंह मंदिर, श्री वामन देवता मंदिर, श्री राधे माधव मंदिर, श्री त्रिविक्रम देव, साक्षी नारायण आदि प्रमुख वैष्णव देवालय हैं।

गया जी के सप्त पर्वतों में एक भस्मकूट पर्वत पर माता मंगला गौरी तीर्थ के तिर्यक कोण पर जनार्दन मंदिर भगवान विष्णु के पुरातन देवस्थानों में एक है, जिसे अविमुक्तेश्वर नाथ कहा जाता है। विवरण है इस दुनिया जहान में जिसके कोई अपने नहीं हैं,वह यहां श्राद्ध पिंडदान कर स्वयं की मोक्ष की कामना हेतु निश्चित रूप से पिंडार्पण करता है।

भस्मकूट पर्वत क्षेत्र में ही भीम गया वेदी से पुण्डरीकाक्ष मंदिर तक जाने का मार्ग है।अब यह मंदिर प्रचार प्रसार में भले ही कम हो गया है पर गया जी में भगवान विष्णु के एक चर्चित रूप पुण्डरीकाक्ष जी का यह देवालय महाभारत कालीन बताया जाता है।पहले यहां पुण्डरीकाक्ष कुंड भी था लेकिन आज समय के साज पर बढ़ती आबादी के कारण यहां काफी कुछ परिवर्तन हो गया है।

गया जी के माडनपुर मोहल्ले में अवस्थित का अक्षयवट भी वैष्णव श्रद्धालुओं का परमधाम है। यहां भगवान विष्णु के कितने ही रूप के विग्रह देखे जा सकते हैं जिसमें बाल गोपाल और लड्डू गोपाल प्रमुख हैं। गया में श्री विष्णु रूप में अंतःसलीला फल्गु जी का भी विशेष मान है। वायु पुराण में स्पष्ट अंकित है कि भगवान विष्णु के अंगूठे से फल्गु जी का आविर्भाव हुआ है।आज भी गया श्राद्ध करने वाले फल्गु नदी में स्नान करने के उपरांत की पितृ अनुष्ठान प्रारंभ करते हैं। फल्गु नदी के पुरातन घाट में बैकुंठ घाट,देवघाट और गदाधर घाट तीनों वैष्णवों का घाट माना जाता है।

जीवन के साथ मृत्यु अंतिम सत्य है और यह भी सत्य है कि गया में श्री श्मशान देवता का स्थान विष्णु पद से 40 फलांग की दूरी पर फल्गु किनारे निचले खंड में है।गया के श्मशान को श्री वैष्णव श्मशान कहा जाता है जो भारतवर्ष के तीन प्रमुख श्मशान में एक है।इसकी गणना काशी मणिकर्णिका और हरिद्वार के कनखल के साथ की जाती है। गया श्मशान श्री वैष्णव प्रकृति का है जिससे आज तक कोई सिद्ध नहीं कर सका जो अभी भी अपने आप में बड़ा गर्वित तथ्य है।यहां भोग के रूप में तुलसी और पेड़ा का अर्पण भक्तों के द्वारा आज भी किया जाता है।

गयाजी में वैष्णो भाव का तत्व इस रूप में भी देखा समझा सकता है कि यहां अभिवादन में लोग प्रणाम का प्रयोग कम करते हैं यहां के लोग इस रूप में राम- राम जी अथवा नारायण-नारायण ज्यादा कहते हैं।यह भी यह श्री विष्णु तत्व का प्रभाव के रूप में अंकित है। सचमुच भारतवर्ष में श्री वैष्णु धाम में गया जी का मान विशेष रूप से है तभी तो सनातन धर्म के सभी लोग जीवन में एक बार गया जाना आवश्यक चाहते हैं जहां भगवान विष्णु के चरण मुक्तिदायक हैं और मोक्षकारी भी। कहते हैं यहां के लोग भगवान विष्णु की कृपा से ही सभी कार्यों को संपन्न करते हैं। जब भगवान उठा दें, जब भगवान बुला लें।बस उन्हीं का सहारा, उन्हीं का कृपा।

गया तीर्थ दर्शन
गौरवमय है श्रीगदाधरदेव मंदिर की सांस्कृतिक आभा

डॉ.राकेश कुमार सिन्हा'रवि'

मंदिरों की नगरी गया में आज के समय में तकरीबन 1000 मंदिरों के मध्य में श्री विष्णु पद मंदिर न सिर्फ इस क्षेत्र का वरन संपूर्ण मगध के देव मंदिरों में वैशिष्ठ है। जैसा कि हम सभी जानते हैं श्री विष्णु पद मंदिर का नव श्रृंगार इंदौर की होलकर महारानी अहिल्याबाई की ओर से 18 वीं शताब्दी के अंतिम चरण में कराया गया लेकिन इसके पूर्व गया धाम व संपूर्ण मगध क्षेत्र में और गया धाम में जिस देवालय की प्रतिष्ठा प्रभुविष्णु बनी रही वह गदाधर मंदिर आज भी यहां विराजमान है।

इतिहास के झरोखे से झांकने पर स्पष्ट होता है कि गदाधर मंदिर का निर्माण पालकालीन राजा नरसिंह देव पाल ने वर्ष 1155 से 1167 ई. के बीच तकरीबन 3 लाख रुपया व्यय करके अपने राजपुरोहित पुरोहितों के मार्गदर्शन में राजा ने स्वयं गया आकर उसे मंदिर का निर्माण करा कर गयापाल ब्राह्मणों के हाथों में समर्पित कर एक धार्मिक अनुष्ठान भी कराया था। विष्णु पद मंदिर से चलकर दूसरे आंगन में या विष्णु पर पुराने मार्ग सूर्यकुण्ड होकर आगे बढ़कर प्राचीन प्रवेश द्वार के पहले ही आंगन में श्रीगदाधर मंदिर विराजमान है। गदाधर मंदिर की विशालता आज चारों तरफ मंदिर बन जाने से थोड़ी कम नजर आती है नहीं तो यह मंदिर विशाल है जो चौरासी फीट ऊंचा 52 विशाल स्तंभों पर टिका है।

श्री गदाधर देव मंदिर के गर्भ गृह के पूर्व विशाल जगमोहन में एक से बढ़कर एक उत्कृष्टत कलाकृति देखी जा सकती है जो बाद के नव श्रृंगार और रंगरोगन के क्रम में अब आभाहीन हो गए हैं कभी इसी क्षेत्र में वारंगल नरेश के अभिलेख स्तंभ पर उत्तीर्ण नजर आते थे। यहां चारों धाम के देवालय के मंदिर के शिखर का भाग भी इसी जगमोहन की ऊपरी दीवार पर देखा जा सकता है ।गदाधर मंदिर के बाहरी क्षेत्र में के बैठके में श्री गोपाल, शिव शंकर, विष्णु, ब्रह्मा सहित अन्य पुरातन देवी देवताओं की मूर्ति हैं। मंदिर में गर्भगृह में सात सीढ़ी ऊपर चढ़कर श्री गदाधर देव का दर्शन किया जाता है जिससे गया तीर्थ में भगवान विष्णु का सदेह स्वरूप स्वीकार किया जाता है।विवरण है प्रभु ने इसी रूप स्वरूप में गयासुर का तरन तारण किया था।गदाधर मंदिर में श्री विष्णु भगवान की मूर्ति संसार भर में अनुपम और अनूठी है जिसे देखते ही मन मस्तिष्क में वैष्णव तत्व जागृत होने लगता है। यहां का नित्य श्रृंगार, पंचामृत स्नान और श्री विष्णु पत्र से श्रृंगारित माला भगवान का प्रमुख प्रसाद है, जो सायुज्य मोक्षकारी हैं, यही कारण है गया दर्शन करने वाले गदाधर मंदिर में दर्शन अवश्य करते हैं।

आज श्री विष्णु पद में 21 से अधिक मंदिर विराजमान है जिसमें सर्वाधिक ऐतिहासिक और महिमाप्रद जो मंदिर श्री विष्णु चरण के बाद सर्वप्रसिद्ध है वह है गदाधर मंदिर। गयाजी से इनका ऐसा संबंध है कि इन्हें मूल रूप से गयावासी गया गदाधर कहते हैं। यहीं पर गयापाल गदाधर गुर्दा बताते हैं कि गया जी के मंदिरों में खासकर श्राद्ध पिंडदान क्षेत्र में गदाधर देवता की महिमा अनुपम है। विवरण यह भी मिलता है कि राजा मानसिंह ने इसी देवालय के दर्शन के उपरांत गया में अपनी पूर्वजों का श्राद्ध किया था और उन्होंने भी यहां के राग भोग व संस्कार हेतु कुछ कार्य किए थे। सचमुच गदाधर मंदिर दर्शनीय है, बंदनीय है।बोलिए गया गदाधर की जय।

बच्चों की पढ़ाई में मां की भूमिका

आईटीआई कर रहा किशोर छात्र जावेद कहता है, मेरे परिवार में मेरी गिनती मंदबुद्धि बालक किशोर के रूप में होती है। स्वयं मेरे पिता मुझे मंदबुद्धि मानते एवं कहते हैं। यह सच है कि मेरी याददाश्त अच्छी नहीं है। परिणामस्वरूप स्कूली शिक्षा के बारे में उन्होंने सोचा तक नहीं। मगर मेरी मां ने मुझे बाकायदा स्कूल में दाखिला दिलवाया। मेरी स्थिति से डर कर टीचर्स ने पढ़ाने में आनाकानी की। तब मेरी मां ने उसी स्कूल में सिर्फ मेरी खातिर अध्यापन का जौब किया। उन के दृढ़ संकल्प की बदौलत पहले मैं ने 8वीं कक्षा उत्तीर्ण की। 10वीं में आया तो सभी ने कहा कि ओपन बोर्ड से पढ़ाई करवाई जाए। यहां भी मां ने मेरा हाथ थामे रखा और सब की बिन मांगी राय से हट कर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर (राजस्थान) से 10वीं का फौर्म भरवाया। कोर्स को पढ़नेसमझने और अच्छे से याद करने में मुझ से कहीं अधिक मेहनत मां ने की। मैं मंदबुद्धि, थक जाता लेकिन उन को घरबाहर के सारे कामकाज के बाद भी मैं ने पढ़ाते समय हमेशा तरोताजा देखा। आखिरकार मैं 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहा। यह लगभग असंभव था जो संभव हुआ मां की बदौलत।

आईटीआई कर रहा किशोर छात्र जावेद कहता है, मेरे परिवार में मेरी गिनती मंदबुद्धि बालक किशोर के रूप में होती है। स्वयं मेरे पिता मुझे मंदबुद्धि मानते एवं कहते हैं। यह सच है कि मेरी याददाश्त अच्छी नहीं है। परिणामस्वरूप स्कूली शिक्षा के बारे में उन्होंने सोचा तक नहीं। मगर मेरी मां ने मुझे बाकायदा स्कूल में दाखिला दिलवाया। मेरी स्थिति से डर कर टीचर्स ने पढ़ाने में आनाकानी की। तब मेरी मां ने उसी स्कूल में सिर्फ मेरी खातिर अध्यापन का जौब किया। उन के दृढ़ संकल्प की बदौलत पहले मैं ने 8वीं कक्षा उत्तीर्ण की। 10वीं में आया तो सभी ने कहा कि ओपन बोर्ड से पढ़ाई करवाई जाए। यहां भी मां ने मेरा हाथ थामे रखा और सब की बिन मांगी राय से हट कर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर (राजस्थान) से 10वीं का फौर्म भरवाया। कोर्स को पढ़नेसमझने और अच्छे से याद करने में मुझ से कहीं अधिक मेहनत मां ने की। मैं मंदबुद्धि, थक जाता लेकिन उन को घरबाहर के सारे कामकाज के बाद भी मैं ने पढ़ाते समय हमेशा तरोताजा देखा। आखिरकार मैं 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहा। यह लगभग असंभव था जो संभव हुआ मां की बदौलत।

रात्रि जागरण

स्कूल स्तर की पढ़ाई अब सरलसहज नहीं रह गई है। लंबे बड़े स्लेबस के कारण किशोरकिशोरियां अकसर रात्रि में पढ़ने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में उन के साथ रातरात भर जागने का काम मां ही ज्यादातर करती देखी जाती हैं। शिक्षाविद एवं चित्रकार डा. मोना सरदार डूडी कहते हैं, रात मेरी पढ़ाई का पसंदीदा समय रहा है। यह इसलिए भी संभव हो सका क्योंकि मेरी खातिर मेरी मां भी नींद का परित्याग कर मुझे प्रोत्साहित करतीं। जब कभी देर रात मां आलस्य को आता देखतीं तो फौरन मुंहहाथ धोने का कह कर मार्गदर्शन कर देतीं। बिना कहे चाय भी बना कर ले आतीं। तब बात समझते देर नहीं लगी कि जब मां अपनी नींद कुरबान कर सकती हैं तो हम अपने लक्ष्य को पाने में पीछे क्यों हटें। मां का मेरे लिए रातभर जागने का सिलसिला वर्षों तक चला।

अनपढ़ मां भी किसी से कम नहीं

हमारा देश गांवों में बसता है। महिला शिक्षा अभी भी विशेष उल्लेखनीय नहीं है। मगर अशिक्षित मां भी बच्चों की पढ़ाई में सहयोगी हो सकती हैं। राजस्थान की प्रथम मुसलिम आरएएस महिला शमीम अख्तर अकसर कहा करती थीं कि उन की नानी मां अनपढ़ थीं मगर फिर भी उन्होंने अपनी 5 बेटियों को पढ़ाया और शिक्षक बनाया। आज उसी परिवार में अनपढ़ नानी मां की बदौलत, डाक्टर, प्रोफैसर, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी आदि सदस्य हैं।

मां का साया यदि मेरे सिर पर न होता तो मैं आज राजकीय विद्यालय की शिक्षिका न होती, बल्कि ऊन कारखाने में एक साधारण मजदूर मात्र बन कर संघर्ष का जीवन जी रही होती। मेरी मां ने हमेशा हर पल मुझे शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन का ध्येय रहा कि मजदूर मां की बेटी भी मजदूर बनी तो फिर उपलब्धि क्या प्राप्त की। उल्लेखनीय तो तभी हो सकेगा जब बेटी शिक्षित हो कर अपने पैरों पर खड़ी हो सके। मैं ने उन के मन के भाव को समझा और जुट गई पढ़ाईलिखाई में। आज सफल हूं तो सिर्फ मां के दृढ़ निश्चय के कारण। यह कहना है 21 वषीर्या नीलकमल का। मेरे जीवन में मां का बड़ा महत्त्व है।

विगत 7 वर्षों से हर शैक्षणिक सत्र में मैं फर्स्ट रैंक पर बना हुआ हूं। प्रतिशत की बात करें तो कईकई विषयों में शतप्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस वर्ष भी ए-वन ग्रेड के साथ नंबर वन बन कर दिखाया है। यह सब मेरी मां की कड़ी मेहनत का फल है। उन्होंने मुझ पर अपना अच्छाखासा समय खर्च किया है। मुझे नियमित पढ़ाई का व्यावहारिक ज्ञान उन से ही मिला है। हर दिन 4 घंटे पढ़ना है तो पढ़ना ही है। उन की सिखाई यह आदत मुझे हजारों रुपए खर्च करने वाले छात्रछात्राओं से भी आगे बनाए हुए है। भविष्य में भी नियमित पढ़ाई का मेरा गुण मुझे सहयोग करेगा और यह संभव हुआ है मेरी प्यारी मां की बदौलत। यह कहना है किशोर छात्र आगाज का।यह सिर्फ बानगी है। ऐसे अनेक आगाज और नीलकमल हैं जिन की मांओं ने दिनरात एक कर अपने बच्चों का भविष्य संवारने में अहम भूमिका निभाई है।

समझदारी मां की

समझदार मां अपने बच्चों को शुरू से ही पढ़ाई में मदद करती है। प्यारदुलार के साथ वह उन की नींव को मजबूत करती है। बीकानेर बौयज स्कूल के प्रिंसिपल फादर शीबू कहते हैं, मैं ने देखा है कि वे विद्यार्थी ज्यादातर होनहार होते हैं जिन के पीछे उन की मां का भी पुरुषार्थ होता है। क्लास दर क्लास अपने बच्चों में निखार लाने में मां की भूमिका अतुलनीय रहती है। उन की कमियों को मां अच्छे से समझती हैं और जब बात समझ में आ जाती है तो बच्चों में सुधार भी कर देती है।

नजर मित्रमंडली पर

किशोर उम्र के विद्यार्थियों की मित्रमंडली पर हर मां की पैनी नजर होनी चाहिए। यदि मेरी मां ने मुझे बातूनी और बड़बोले फ्रैंड सर्किल से नहीं बचाया होता तो मैं निश्चित रूप से पढ़ाई में पिछड़ जाती। क्योंकि उस फ्रैंड ग्रुप के बच्चे पढ़ाई में औसत से नीचे जा रहे थे। मां ने मुझे संभाला और मैं पढ़ाई करते हुए आगे बढ़ती गई। पीएचडी कर के आज अधिकारी पद पर हूं, यह कहना है रूबीना का।

असंभव को संभव बनाती है मां